राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 40.00 संख्या 525
सर्वशक्तिमान
नागराज-ध्रुव का मल्टीस्टार महाविशेषांक
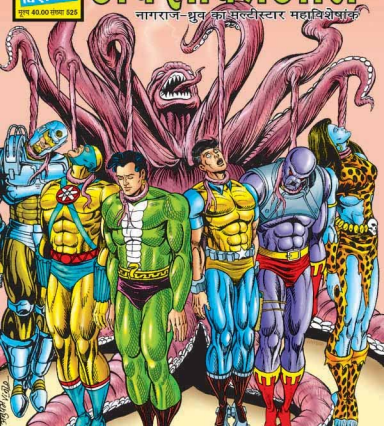
Amaan
तूफान को फैलने के लिए जगह चाहिए। और इसीलिए तूफान अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को उड़ाता चला जाता है। आज उड़ने वाली चीजों का नाम है ब्रहमाण्ड रक्षक और इनको उडाने वाले तूफान को नाम दिया गया है...
सर्वशक्तिमान
संजय गुप्ता की पेशकश
कथा जॉली सिन्हा
चित्रः अनुपम सिन्हा
इंकिंगः विनोदकुमार
सुलेख एवं रंगः सुनील पाण्डेय
सम्पादकः मनीष गुप्ता
मंगल ग्रह से आई इस मौत से हम नहीं निपट सकते नागराज! ऐसी कोई शक्ति नहीं है जो इसके अंदर न हो!
पर इसको रोकना तो पड़ेगा ही पड़ेगा, डोगा। क्योंकि पृथ्वी पर या तो ये रहेगा या मानव जाति!
फिर तो मानव जाति का अंत सामने ही है, नागराज!
क्योंकि जब हम अपने आपको नहीं बचा पा रहे हैं तो भला मानव जाति को कैसे बचाएंगे!

अमेरिका स्थित नासा (NASA) के प्रक्षेपण स्थल पर आज काफी गहमागहमी थी-
क्योंकि आज तारीख थी 6 जून सन् 2003 और आज मानवजाति अंतरिक्ष शोध के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाने जा रही थी-
आज 'स्पिरिट' नामक एक मशीनी रोबॉट यंत्र को मंगल ग्रह की छानबीन के लिए भेजा जा रहा था, जिसका मुख्य काम यह पता लगाना था कि मंगल ग्रह पर कभी कोई जीवित सभ्यता थी या नहीं-
हम आपका शुक्रिया अदा करना चाहते हैं मिस्टर प्रोबॉट! हालांकि आप प्रोफेसर वर्मा का सिर्फ एक मशीनी प्रतिरूप हैं, लेकिन आपके अंदर प्रोफेसर का जो ज्ञान भरा हुआ है उसके बगैर इस 'मार्स मिशन' को पूरा कर पाना संभव नहीं था!
इसके लिए तो प्रोफेसर के भांजे इंस्पेक्टर विनय को बधाई दीजिए! इसने कभी मुझको यह एहसास होने ही नहीं दिया कि मैं असली प्रोफेसर नहीं, सिर्फ एक रोबॉट हूं!
प्रोबॉट! इसके प्यार के कारण ही मैं प्रोफेसर की तरह ही हर समस्या पर विचार कर पाता हूं!
वाह, वाह, प्रोबॉट! कितने इमोशनल थॉट्स हैं! दिल को छू लेने वाली बात कह डाली आपने! इस बात को मैं भारती चैनेल के साथ-साथ दुनिया के हर न्यूज चैनेल पर दिखाऊंगा!
ओ कम ऑन राज! भारती कम्युनिकेशंस ने तुमको यहां पर 'स्पिरिट' का लांच कवर करने के लिए भेजा है!
मुझको कवर करने के लिए नहीं! बस ये दुआ करो कि ये लांच सफलतापूर्वक पूरा हो जाए!

सबको दुआ की सख्त जरूरत थी! क्योंकि ऐसे बड़े मिशनों के दौरान समस्याओं का आना आम बात समझी जाती है–
ये एकाएक अंधेरा सा क्यों हो रहा है?
ये बादल नहीं हैं! ये तो टिड्डी दल है!
एक विशाल टिड्डी दल! और ये सीधे रॉकेट पर हमला बोल रहा है! पर क्यों?
जहां तक मैं जानता हूं ये तो पेड़-पौधों या फसलों पर हमला करते हैं!
उधर से बादल का एक बड़ा टुकड़ा तेजी से इधर ही आ रहा है सर!
बादल का टुकड़ा! लेकिन मौसम विभाग ने तो एकदम साफ मौसम की भविष्यवाणी की है!
वह इसलिए क्योंकि ये... मशीनी टिड्डियां हैं, सर!
रोबोट टिड्डियां!
बाहर क्या हो रहा है?
यह किसी ऐसे दुश्मन देश का षड्यंत्र है, जो हमको मार्स मिशन से रोकना चाहता है सर! हम पर यानी लांच पैड पर रोबॉट टिड्डीदल का हमला हो रहा है!
व्हाट!
षड्यंत्र वाला आइडिया एकदम सही है सर! हमारे रॉकेट के कंप्यूटर सिस्टम के साथ भी छेड़छाड़ की जा रही है! अब इसको मंगल पर जाने के बजाय चांद पर जाने के लिए प्रोग्राम किया जा रहा है!
ओ माई गॉड!
ये काम किसका हो सकता है!

खैर, इस पर बाद में सोचेंगे! फिलहाल तो हमको इस मिशन को बचाना है! किसी भी कीमत पर! लाओ, मैं रॉकेट की फिर से प्रोग्रामिंग करता हूं!

यस मिस्टर प्रोबॉट!

मैं देखता हूं इस मशीनी टिड्डी दल को, राज! उड़ने वाली इन आफतों से तो परमाणु ही निपट सकता है!

नहीं विनय! अभी इंतजार करो! अमेरिका एक ताकतवर राष्ट्र है। उसके पास ऐसी मुसीबतों से निपटने का पूरा साजोसामान होगा!

राज का ख्याल सही था-

अमेरिकी सेना अपने अत्याधुनिक हथियारों के साथ पलक झपकते ही लांच साइट पर आ पहुंची थी-

हमारे 'इलैक्ट्रॉनिक बम' इन टिड्डियों के सर्किटों को जाम कर देंगे!
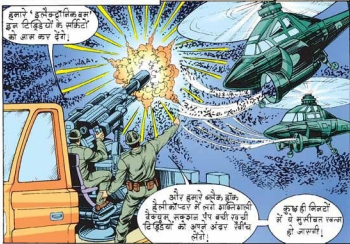
और हमारे ब्लैक हॉक हैलीकॉप्टर में लगे शक्तिशाली वैक्यूम सक्शन पंप बची खुची टिड्डियों को अपने अंदर खींच लेंगे!

कुछ ही मिनटों में ये मुसीबत खत्म हो जाएगी!

वो मारा! ये मशीनी टिड्डे निष्क्रिय होकर 'सक्शन पंप' के अंदर समा रहे हैं! जल्दी ही मुसीबत का यह बादल दूर हो जाएगा!
वो तो ठीक है! लेकिन निष्क्रिय होने के बाद ये टिड्डे चमक क्यों रहे हैं?
सवाल का जवाब जल्दी ही मिलने वाला था-
एक धमाके के साथ-
जल्दी ही हैलीकॉप्टरों और 'मोबाइल लांचर' का निशान तक मिट चुका था-
अब हम और इंतजार नहीं कर सकते! परमाणु को जाना ही होगा!
अब स्थिति खतरनाक हो गई है! आओ विनय और परमाणु को इन मशीनी रोबॉटों से निपटने के लिए भेजो!
अगर जरूरत पड़ी तो परमाणु के बैकअप के लिए नागराज तैयार रहेगा!
ओ जीजस! यानी निष्क्रिय होने के बाद ये टिड्डे बम बन जाते हैं!
बचे-खुचे टिड्डे अब 'मोबाइल-लांचर' पर चिपक रहे हैं! ये... ये मेटल को खा रहे हैं!
ओफ!
क्या हुआ प्रोबॉट?
मैं रॉकेट के कंप्यूटर तक पहुंच नहीं पा रहा हूं!
रॉकेट से हमारा कनेक्शन कट चुका है!

यानी अब इस रॉकेट को छोड़ने की तारीख को आगे सरकाना होगा!
ये नहीं हो सकता राज! आज अस्सी सालों के बाद मंगल ग्रह पृथ्वी के सबसे नजदीक आया है! अब ऐसा मौका हमको अगले सौ सालों के बाद ही मिलेगा! और उतना इंतजार हम नहीं कर सकते!
तब तो रॉकेट उड़ेगा और आज ही उड़ेगा, प्रोफेसर!
यहां का कंप्यूटर सिस्टम, रॉकेट के कंप्यूटर सिस्टम से किस चीज के द्वारा जुड़ा है?
केबल के द्वारा!
पर केबल तो मुझको कहीं नजर नहीं आ रहे हैं! कहां हैं केबल?
जमीन के नीचे!
तब तो हो सकता है कि वे केबल किसी तरह से कट गए हों! जमीन के नीचे जाकर देखना होगा!
और ये काम नागराज से बेहतर और कोई नहीं कर सकता!
जल्दी ही- नागराज उस 'शाफ्ट' के अंदर था जो 'कंट्रोल-सेंटर' से केबलों को रॉकेट तक ले जा रहा था-
यहां तो केबल सही-सलामत हैं!
लेकिन रॉकेट तक पहुंचने से पहले ही ये केबल दूसरी तरफ मुड़ गए हैं!
और ये सुरंग शाफ्ट का हिस्सा नहीं है! इसको अभी-अभी बनाया गया है!
ताजी खुदी मिट्टी इस बात की गवाही दे रही है!
यानी रॉकेट के कंप्यूटर सिस्टम में गड़बड़ी करने वाला इसी सुरंग में मौजूद है!
इसके अंदर जाकर देखना होगा!

अरे! यहां पर तो न तो कोई है और न ही किसी के रहने का कोई निशान है!
फिर ये गडबड़ किसने की?
कहां पर छुपा हो सकता है वह शैतान?
यहां पर नागराज!
हैं?
कौन हो तुम? और तुम मुझको कैसे जानते हो?
हर इंसान जो भी सोचता है उसे 'मैगनेटिक वेव्स' के जरिए बाहर भी भेजता रहता है!
और 'आवा' हर 'मैगनेटिक सिग्नल' को पकड़ सकता है!
ये हरकत तुम क्यों कर रहे हो? क्यों रोकना चाहते हो इस रॉकेट को मार्स पर जाने से!
यह जानकारी मेरे अंदर प्रोग्राम नहीं की गई है!
मेरे अंदर सिर्फ इतना प्रोग्राम किया गया है कि जो भी मेरे काम को रोकने की कोशिश करे, मैं उसे खत्म कर दूं!

परमाणु, टिड्डी दल को रॉकेट तक पहुंचने से रोकने की जी तोड़ कोशिश कर रहा था-
ये रोबॉटिक टिड्डे धातुओं को खाते हैं! अगर ये रॉकेट तक पहुंच गए तो पूरे रॉकेट को ही सफाचट कर डालेंगे!
इनको अपने परमाणु धमाकों से गलाना होगा!
ओफ़! ये संख्या में बहुत ज्यादा हैं! लेकिन मैं भी तो गलती कर रहा हूं! मेरा मुख्य ध्येय रॉकेट को बचाना होना चाहिए! टिड्डों को खत्म करना नहीं!
इस रॉकेट को मैं परमाणु जाल से ढक देता हूं! ये टिड्डे इस ऊर्जा जाल को पार नहीं कर पाएंगे!
अब मैं इन टिड्डों से निपटने में पूरा ध्यान दे सकता हूं!
अपने हाथों में आरीदार परमाणुओं के चक्र थामकर परमाणु का शरीर घूमता चला गया-
और टिड्डों के शरीर कटते चले गए-

परमाणु का हमला काम आया-
मशीनी टिड्डे मैदान छोड़कर भागने लगे-
गुड! टिड्डों को मैंने रॉकेट से तो दूर कर दिया! लेकिन ये फिर से हमला कर सकते हैं! मुझे इनका पीछा करके यह जानना होगा कि इनको बनाकर यहां पर भेजने वाला कौन है!
तेज गति से उड़ते हुए टिड्डे परमाणु को 'लांच-साइट' से कई किलोमीटर दूर ले आए थे-
ओह! ये टिड्डे खेत के बीच में बने उस चाराघर में घुस रहे हैं!
यानी यहीं पर है इनको भेजने वाला!
कुछ ही देर बाद परमाणु चाराघर के अंदर था-
कमाल है! यहां पर तो कोई भी नहीं है!
सिवाय इस मशीन के जिसके अंदर जाकर टिड्डे शरण ले रहे हैं!
लेकिन अब तेरे शरण लेने लायक जगह इस दुनिया में कहीं नहीं है!
ये... ये मशीन तो खड़ी हो रही है! यानी... इसी ने रोबॉटिक टिड्डे बनाकर भेजे थे!
हां! मेरा काम इन गैजेट्स को बनाना और उनको गाइड करना है!
पर क्यों?
ताकि मैं मार्स मिशन को फेल कर सकूं!

यह बताना मेरा काम नहीं है, इसीलिए यह बात मुझको पता ही नहीं है!
मुझको तो बस यह पता है कि मुझे तेरा अंत करना है!
रॉकेट को ऊर्जा कवच में ढककर तू अपने आपको बहुत शक्तिशाली और समझदार समझ रहा था! पर उस ऊर्जा कवच को मैं अपने टिड्डों द्वारा ऐसे ही तुड़वा सकता था! लेकिन फिर तू कोई और अड़ंगा डाल देता!
इसीलिए मैंने तुझको अपने टिड्डों द्वारा यहीं पर बुलवा लिया! ताकि पहले मैं तुझको रास्ते से हटाऊं और फिर रॉकेट को!
अब मुझको दिखा कि तेरे विज्ञान में कितनी शक्ति है!

अगर ये टक्कर विज्ञान की शक्तियों के बीच में ही है तो तू मेरी वैज्ञानिक शक्तियों के आगे ठहर नहीं पाएगा, टीन के डिब्बे!
और तुझे मारकर मैं तेरी उस मेमोरी चिप को निकाल लूंगा, जिसमें तुझे बनाकर यहां पर भेजने वाले का जिक्र जरूर होगा!
ओह! ट्रांसमिट पॉवर भी है तेरे पास! इसी के दम पर अकड़ रहा है तू!
सिर्फ ट्रांसमिट ही नहीं, मेरे पास तुझे गला सकने लायक शक्ति भी है! परमाणु ब्लास्ट की!
...तेरे शरीर को परमाणु कवच से ढक दूंगा। फिर तुझे लगेगा कि जैसे तू किसी भट्टी में फंसा हुआ है! जहां पर अंदर तो मशीनें जाती हैं, लेकिन बाहर आता है पिघला हुआ लोहा!
अब तेरे शरीर में आग लगाकर मैं...
धातु को पिघलाकर आकार देना लौरथा का काम है...

तेरा नहीं!
अब तू देख मेरे विज्ञान की ताकत को!
ओफ्फ! इसकी फोर्स फील्ड ने मेरी परमाणु कैद को चूर-चूर कर दिया है! और चारों तरफ फैली चिंगारियों ने भूसे के इस गोदाम में आग लगा दी है!
ओफ़! इसने अपने अंदर से ऐसे-ऐसे बड़े मशीनी दैत्य पैदा कर दिए हैं जो मुझको इस जलते गोदाम से बाहर नहीं निकलने दे रहे हैं!
और धुआं तथा ऑक्सीजन की कमी के कारण मेरा दम घुट रहा है!
अब या तो ये दैत्य मुझे नोंच खाएंगे और या फिर मैं दम घुटने से अपना दम तोड़ दूंगा! खौं खौं!
क्योंकि यहां पर न तो छिपने की कोई जगह है और न ही बाहर निकल पाने का कोई रास्ता!
परमाणु चूहे की तरह फंस गया था-

Amaan
और नागराज की भी स्थिति कुछ खास बेहतर नहीं थी-
मुझ पर ये कीड़े फेंकने से उतना ही असर होगा जितना टैंक पर कंकड़ मारने से होता है!
जावा को इस तरह से प्रोग्राम किया गया है कि वह किसी भी चीज को प्रोग्राम कर सके! जीवित कोशिका यानी लिविंग टिशूज को भी!
ओह! इसने मेरे सांपों पर वार किया, और इसके साथ ही इनके शरीर पर 'माइक्रोचिप सर्किट' जैसी डिजाइनें उभरनी शुरू हो गईं! यानी इसने मेरे सांपों का 'प्रोग्राम' भी बदल दिया है, और अब वे मेरे दुश्मन बन गए हैं!
ऐसे दुश्मन को अपने पास पहुंचने देना सरासर बेवकूफी होगी! इसका अंत दूर से ही करना होगा!
ध्वंसक सर्प उड़ चले-

और जावा के शरीर पर उभरे सर्किट गलने लगे-
हर प्रोग्राम इन सर्किटों में ही मैग्नेटिक कोड्स के रूप में भरा होता है! इन सर्किटों के गलने से तुम्हारी प्रोग्रामिंग की शक्ति भी नष्ट हो जाएगी।
सही कहा, नागराज!
चौंको मत! हम तुम्हारे बारे में जानते हैं! बहुत दिनों से जानते हैं!
लेकिन तुम ये बात कैसे भूल रहे हो कि जो जावा जीवित कोशिकाओं को भी प्रोग्राम कर सकता है...
...वह क्या अपने लिए नए प्रोग्राम नहीं बना सकता!
ओह! यह तो फिर से ठीक हो गया!
लेकिन अब तू ठीक नहीं रहेगा, नागराज!
अब मेरी प्रोग्रामिंग रेज तब तक तेरे पीछे पड़ी रहेंगी जब तक ये तुझे छूकर तेरी जीवित कोशिकाओं को भी प्रोग्राम नहीं कर देतीं!
मेरा हुक्म मानने के लिए!

अगर इस पर मेरी सर्प शक्तियां सीधे असर नहीं करेंगी तो इनका प्रयोग दूसरी तरह से करना होगा!
ध्वंसक सर्प मिट्टी की दीवारों को तोड़ते चले गए-
और कुछ ही देर में सुरंग पूरी तरह से बंद हो चुकी थी-
प्रोग्रामिंग रेज भी अंदर ही रह गई थी-
अब नागा इस बंद सुरंग से बाहर नहीं आ सकता। और अगर आ भी गया तो भी उतनी देर में मैं इस केबल को फिर से रॉकेट के कंप्यूटर से जोड़ दूंगा!
बस, उसके लिए मुझे इन तारों को यहां से काटना होगा!
काट ले, नागराज! पर उससे फायदा क्या होगा!
नागा तो खुद भी एक प्रोग्राम बनकर इन तारों के जरिए कहीं से भी बाहर आ सकता है!
15
RCJ

Amaan
और अब तू मेरे वश में होने ही वाला है! क्योंकि मेरी प्रोग्रामिंग रे ने तेरी प्रोग्रामिंग शुरू कर दी है! अब जल्दी ही तेरे शरीर की सारी कोशिकाएं मेरे आदेश को मानेंगी, और फिर तेरा शरीर होगा मेरा गुलाम!
और तेरे पास तो क्या इस दुनिया में किसी के पास भी ऐसी शक्ति नहीं है जो तुझको जावा की प्रोग्रामिंग से बचा सके!
ओफ्फ! ये प्रोग्राम तो काफी तेजी से मेरे शरीर को अपने वश में करता जा रहा है! मैं अपने पैरों को महसूस नहीं कर पा रहा हूं!
जल्दी ही मैं अपने हर अंग पर से अपना नियंत्रण खो दूंगा...
और नागराज बन जाएगा जावा का गुलाम!

यह पूरा घटनाक्रम किसी की नजरों में कैद होता जा रहा था-
अब नागराज बेबस है। आवा का प्रोग्राम जल्दी ही इसके शरीर को आवा का यानी मेरा गुलाम बना देगा! और नागराज के बगैर मार्स-मिशन कभी सफल नहीं हो सकता! अब मुझको परमाणु की हालत देखनी चाहिए!
वह भी एक बड़ा खतरा है जिसको दूर करना बहुत जरूरी है! एक बार परमाणु खत्म हो जाए तो मार्स मिशन भी हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा!
आहा! परमाणु भी खत्म होने के रास्ते पर है! ये भागकर बचने की कोशिशें तो कर रहा है लेकिन इसका सफल हो पाना असंभव है!
CH
2
खौं खौं! ये मशीनी दैत्य मुझको उड़कर या भागकर यहां से निकलने नहीं देंगे! मेरे पास समय नहीं है। और मुझको इस चलती-फिरती मशीन को खत्म करना ही है! जो कि...
...जो कि... अरे! इस बात पर मैंने ध्यान क्यों नहीं दिया! यह मशीन चलनी तभी शुरू हुई जब मशीनी टिड्डे इसके अंदर घुसे थे!

यानी ये टिड्डों को पैदा करती है, और टिड्डों की पॉवर इसमें जीवन का संचार करती है! अगर टिड्डे इसके अंदर से बाहर निकल आएं तो यह मशीन फिर से बेजान हो जाएगी!
आsss ह!
ओ यस! मैं एक तीर से दो शिकार कर सकता हूं! छुप भी सकता हूं और इसके मशीनी शरीर में घुसे रोबोट टिड्डों को नष्ट भी कर सकता हूं, और यह काम मैं इस दैत्य के मशीनी शरीर में घुसकर कर सकता हूं!
परमाणु के स्वर ने वॉयस-एक्टीवेटेड कमांड को चालू कर दिया, और परमाणु का शरीर छोटा होना शुरू हो गया-
अपने आपको छोटे आकार का बनाकर!
श्रिंक!
पर टिड्डों को बाहर निकालने की योजना बनाने के लिए मुझे वक्त चाहिए! पर वक्त मेरे पास नहीं है! कहीं पर छुपने तक की जगह नहीं है!
वह अद्भुत मशीन परमाणु की मंशा को भांप गई थी। उसने परमाणु को रोकने की पूरी कोशिश की-
लेकिन फिर भी न तो उसके मशीनी दैत्य परमाणु को अपने जबड़ों में कस पाए और न ही वह खुद परमाणु को अपने मुंह में घुसने से रोक पाया-

Amaan
एक पल के बाद परमाणु उस मशीन के अंदर था-
इस मशीन के अंदर कई 'पॉवर प्वाइंट्स' बने हुए हैं! और हर 'पॉवर प्वाइंट' पर रोबॉट टिड्डों की भीड़ बैठी हुई है!
मेरा ख्याल सही था! ये टिड्डे ही मशीन को पॉवर देकर इसको चला रहे हैं!
हर पॉवर प्वाइंट को मुझे खत्म करना होगा। और यह काम टिड्डों की भीड़ को खत्म करके ही किया जा सकता है!
परमाणु ब्लास्ट टिड्डों की टोलियों को नष्ट करने लगे-
लेकिन-
ओफ़! यहां पर तो बेशुमार पॉवर प्वाइंट्स हैं! और हर 'पॉवर प्वाइंट' को नष्ट कर पाना संभव नहीं है! अब तो ये टिड्डे भी मेरे पीछे पड़ गए हैं! और मेरे इस आकार में ये मुझ पर भारी पड़ सकते हैं!
काश, मैं इन पर किसी ऐसे ब्लास्ट का प्रयोग कर पाता जो इनको एक साथ खत्म कर सकता!
अरे! एक ऐसा ब्लास्ट तो है! इलेक्ट्रॉनिक बम का ब्लास्ट!

जब अमेरिकी सैनिकों ने मशीनी टिड्डों पर इलेक्ट्रॉनिक बम से हमला किया था तो टिड्डों के सर्किटों को इलेक्ट्रॉनों के तूफान से नष्ट कर दिया था!
मैं भी अपनी स्टॉमिक ऊर्जा को बिजली में बदलकर इलेक्ट्रॉनों की इलेक्ट्रिक आंधी ला सकता हूं! ये आंधी रोबॉट टिड्डों की काफी बड़ी संख्या को नष्ट कर देगी। और नष्ट होने के बाद ये टिड्डे बम बन जाते हैं!
अब ये ढेर सारे टिड्डे बम कुछ ही पलों में फट जाएंगे! पर तब तक मैं यहां से बाहर निकल जाऊंगा!
पर कैसे? ओफ़! इस मशीनी दैत्य ने तो अपना मुंह बंद कर लिया है!
बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता बंद हो गया है! और टिड्डे बम फटने ही वाले हैं!
समय खत्म हो चुका था-
टिड्डे बमों के फटने का वक्त आ गया था-

Amaan
आ हा हा हा! खत्म हो गया परमाणु! अपनी चालाकी का खुद शिकार बन गया बेचारा! अब मैं रॉकेट को नष्ट करने के लिए टिड्डों का दूसरा जत्था भेज सकता हूं! हा हा हा!
ही ही ... हैं! परमाणु! परमाणु तो बच गया! वह स्क्रीन पर दिख रहा है! पर कैसे?
ओह! ये क्या हो गया! परमाणु बच गया! लेकिन नागराज, जावा के हाथों से नहीं बचेगा!
नागराज का हाल देखता हूं!
आऽऽऽह! बमों के फटते ही मैं ऐन समय पर परमाणु कणों में बदल गया था! और मशीन के टूटना शुरू होते ही मैं ट्रांसमिट होकर सुरक्षित दूरी पर पहुंच गया था!
अब ये खुश-खबरी प्रोबॉट को दे दूं!
CH1
और जावा को रास्ते से हटाए बगैर रॉकेट उड़ नहीं सकता!
नागराज इतनी गहरी मुसीबत में पहले कभी नहीं फंसा था-

लेकिन एक तो यहां पर कंप्यूटर नहीं है, और अगर होता भी तो मेरी कंप्यूटर प्रोग्रामिंग की जानकारी सीमित है! काश मैंने सिल्लू से प्रोग्रामिंग सीख ली होती!

तो फिर पैर भी उतने ही तेज चला!

क्यों?

क्योंकि तेरे ठीक पीछे...

सिल्लू के बारे में जानने के लिए पढ़ें : नहीं बचेगा नागराज

दस फुट लंबा और चार इंच मोटा सांप बैठा है!

सांप! हे भगवान! बचा ले! बचा ले!

अरे! ये... सांप तो मुझको भागने ही नहीं दे रहा है! जिधर भी जा रहा हूं ये सरसरा कर मेरा रास्ता रोक रहा है!

क्या चाहता है ये मुझसे?

बोलो दोस्त, क्या बात है? क्या चाहते हो तुम मुझसे?

सांप की आंखें चमकने लगीं! वह सिल्लू को सम्मोहित कर रहा था-

समय कम था! सांप के लिए सिल्लू को यह बताना जरूरी था कि वह सिल्लू का दुश्मन नहीं-

दोस्त है-

फूल! ये तो मुझको फूल दे रहा है!

ओह! ये जरूर नागराज का सांप होगा!

अरे! ये हवा का तेज झोंका कहां से आया? बाहर तो हवा एकदम शांत है!
हवा का ये झोंका सिल्लू था-
जो नागराज की मदद करने के लिए कंप्यूटर पर बैठ चुका था-
नासा का कोड तोड़ना आसान नहीं होगा! लेकिन ये काम मुझको करना ही है! करना ही है!
INTERNET
सिल्लू को न जाने कितना समय लगना था-
नागराज के पास समय बहुत कम था-
प्रोग्राम बहुत तेजी से मेरे शरीर में फैलता जा रहा है! मुझे सिल्लू को समय देने के लिए कम से कम इसकी गति को धीमा करना होगा!
और फिलहाल यह काम सिर्फ इस पर वार करके ही किया जा सकता है!...
आsss ह! तू मेरे सर्किटों को तोड़ रहा है! लेकिन इससे कोई फायदा नहीं होगा!
इससे सिर्फ मेरी पॉवर तब तक के लिए कम हो जाएगी, जब तक मैं नया सर्किट नहीं बना लेता! प्रोग्राम तो तेरे पूरे शरीर में फैलकर ही रहेगा!
बस मैं इतना ही तो चाहता हूं! जब तक मेरे हाथ मेरे वश में हैं तब तक तो मैं प्रोग्राम फैलने की गति को कम कर ही सकता हूं!

Amaan
सिल्लू नासा का कोड तोड़कर उनके सिस्टम में घुस चुका था-
याहू! अब नासा के इस सिस्टम में से मुझको वह प्रोग्राम ढूंढ निकालना है जो जावा के रूप में नागराज से लड़ रहा है! पर नासा के सिस्टम में तो हजारों प्रोग्राम हैं! उनमें से एक प्रोग्राम को ढूंढना तो भूसे के ढेर में सुई को ढूंढने के बराबर है!
सिल्लू धीरे-धीरे आगे बढ़ पा रहा था-
लेकिन जावा का प्रोग्राम, नागराज के शरीर में तेजी से फैलता जा रहा था-
ओफ्! अब तो मेरे हाथ भी बेकार हो गए हैं! प्रोग्रामिंग का असर मेरी गर्दन तक आ गया है!
अब एक बार ये असर अगर मेरे मस्तिष्क तक पहुंच गया तो फिर सिल्लू भी मुझे नहीं बचा पाएगा!
हा हा हा! मेरे रास्ते का एक कांटा तो दूर होने ही वाला है! अब नागराज का बचना असंभव है!
इसके बाद परमाणु को मारने के लिए मैं कोई और...
...अरे! ये क्या हो रहा है!
"जावा खत्म होता जा रहा है! पर कैसे?"
आहा! लगता है कि सिल्लू ने अपना काम कर दिया है!
जावा के साथ-साथ मेरे शरीर में फैल रही प्रोग्रामिंग भी खत्म हो रही है!
अब मैं इन तारों को फिर से रॉकेट के कंप्यूटर सिस्टम से जोड़ सकता हूं!

और फिर- थोड़ी ही देर बाद-
4... 3... 2... 1...0... टेक ऑफ़!
येsss
रॉकेट बिल्कुल सही समय पर रवाना हो गया! और यह सिर्फ नागराज और परमाणु के कारण संभव हो पाया!
पर तुम दोनों हिन्दुस्तान से यहां तक इतनी जल्दी पहुंचे कैसे?
जरूर भगवान की मर्जी रही होगी!
एक्सक्यूज मी! मुझे एक जरूरी फोन करना है!

सिल्लू को! उसको धन्यवाद देना बहुत जरूरी है!
अब यह पता लगाना है कि वह कौन सी ताकत है जो हमको मार्स मिशन पूरा करने से रोकना चाहती है!

वह ताकत यहां पर थी-
ओफ़! मेरी इतनी कोशिशों के बावजूद भी स्पिरिट मार्स के लिए रवाना हो ही गया!
लेकिन कोई बात नहीं! वह वापस तो आएगा नहीं! मुझे बस उन जानकारियों पर नजर रखनी पड़ेगी जो स्पिरिट वहां से भेजेगा!
और उसी के अनुसार मुझको आगे की योजना बनानी पड़ेगी!

जून सन् 2004 -
यानी पूरे एक साल बाद -
आज इस बात को गुजरे एक साल हो चुका है! और आज स्पिरिट मार्स पर उतरकर वहां की सजीव तस्वीरें भेजने वाला है! मुझको खुद अपने टेलिस्कोप से स्पिरिट पर नजर रखनी होगी!
मेरा टेलिस्कोप पृथ्वी के सबसे पॉवर फुल टेलिस्कोप से भी एक लाख गुना ज्यादा पॉवरफुल है! यह मुझको यहीं पर बैठे-बैठे वह तस्वीरें दिखा सकता है जो स्पिरिट मार्स पर जाकर देखेगा।
और अगर मुझको कोई गड़बड़ दिखी तो मैं स्पिरिट को तुरन्त नष्ट कर दूंगा!
2000

सारी दुनिया आज एक ही चीज पर नजरें टिकाए हुई थी! मंगल ग्रह पर उतरने वाले खोजी यान स्पिरिट पर-
ब्रह्माण्ड रक्षकों के हैडक्वार्टर में मौजूद सुपर हीरोज की भी-
नासा को स्पिरिट से सिग्नल मिलने शुरू हो गए हैं! कुछ ही मिनटों बाद हम मंगल ग्रह की सतह की पहली तस्वीरें भी देख सकेंगे! अब हम लेते हैं एक छोटा सा ब्रेक! कहीं जाइएगा मत क्योंकि ब्रेक के बाद है...
ब्रेक हो गया! अब तो बताओ नागराज कि तुमने ब्रह्मांड रक्षक की इमर्जेंसी मीटिंग क्यों बुलाई है?
मीटिंग इसी खबर से संबंधित है दोस्तों! आज से एक साल पहले रॉकेट लांच के वक्त जो रुकावटें आई थीं उसके बारे में तुम सब जानते ही हो! लेकिन हमारी और पूरी दुनिया की शातिर सुरक्षा एजेंसियों की लाख कोशिशों के बावजूद भी हमको यह पता नहीं चल पाया कि उस घटना के पीछे किसका हाथ था!
आश्चर्य की बात है! जिस शख्स के पास इतना उन्नत विज्ञान हो वह भला दुनिया की नजरों से इतने दिनों तक कैसे छुपा रह सकता है?
यही हमारी चिन्ता का मुख्य कारण है! उस शख्स का जो भी मकसद है वह जरूर बहुत खतरनाक होगा!
सवाल यह है कि वह शख्स जो भी है वह स्पिरिट को मार्स पर जाने से क्यों रोकना चाहता था!
जवाब स्पष्ट है! उसको यह आशंका है कि मार्स पर कोई ऐसी चीज हमको मिल सकती है जिससे उसको खतरा पैदा हो सकता है!
यह भी तो हो सकता है कि कोई दूसरा देश नासा से पहले मंगल पर पहुंचना चाहता हो! और उसी देश की यह साजिश हो!

नहीं होगा! नासा, अमेरिकन एजेंसी जरूर है, लेकिन उनके इस मार्स मिशन में दुनिया के हर बड़े देश का सहयोग है। और जो देश सहयोग देंगे वे मार्स मिशन को भला असफल क्यों करेंगे!
अब हमको क्या करना है?
स्पिरिट से मंगलग्रह की जानकारियां आनी शुरू हो चुकी हैं!
पता नहीं उनमें से वह जानकारी कौन सी हो जिससे वह शख्स खतरा महसूस करने लगे, और फिर से विनाश फैलाने के लिए अपने मशीनी यंत्रों को भेजे! हमको अपनी आंखें खुली रखनी होंगी, और पूरी दुनिया पर चौबीसों घंटे निगाह रखनी होगी!
रखी!
ठीक है!
मीटिंग बर्खास्त की जाती है!
ब्रह्मांड रक्षक एक मकसद के साथ अपने-अपने इलाकों की तरफ रवाना तो हो गए थे-
लेकिन उनको आने वाले खतरे की भयानकता का एहसास कतई नहीं था-

क्योंकि स्पिरिट ने मार्स की सतह पर उतरकर तस्वीरें भेजनी शुरू कर दी थीं-
और इसी के साथ स्पिरिट पर नजरें गड़ाए हुए उस रहस्यमय शख्स का माथा भी ठनकने लगा था-
ओह! यह तो उसी स्थान की तरफ जा रहा है जहां पर जाने से मैं इसको रोकना चाहता था!
स्पिरिट की तस्वीरें सभी को हिलाकर रख देने वाली थीं-
ये! ये देखिए! स्पिरिट हमको किसी अद्भुत चीज की तस्वीरें भेज रहा है!
ये ज्योमैट्रिक आकृतियां प्राकृतिक तो हो ही नहीं सकतीं! इनको जरूर किन्हीं बुद्धिमान प्राणियों ने बनाया है!
यह इस बात का पक्का सुबूत है कि मार्स पर कभी जीवन रहा होगा।
कभी क्या? अभी भी हो सकता है!

Amaan
CANTEEN
राजनगर के मानसिक चिकित्सालय में-
मंगल ग्रह से मिली इन ताजा तस्वीरों से वैज्ञानिकों को यह विश्वास हो गया है कि मंगल ग्रह पर कभी न कभी कोई बुद्धिमान सभ्यता जरूर रही होगी!
पर इस खोज ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। वैज्ञानिक अब इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि क्या ये संभव है कि मंगल ग्रह पर अभी भी कोई बुद्धिमान सभ्यता मौजूद हो...
मुझे तो इस खबर पर यकीन ही नहीं हो रहा है!
करना भी मत। मंगल ग्रह पर जीवन वगैरह कुछ नहीं है। नासा वालों का प्रोपेगंडा है ये!
सस्ती शोहरत बटोरने के लिए!
मंगल ग्रह पर स्पिरिट के उतरने पर अब हमारी विशेष रिपोर्ट! ताजा सूचनाओं के अनुसार...
डॉक्टर गद्रे! आपका फोन!
यस!
गद्रे! तुमने टी. वी. पर न्यूज देखी! मार्स की!
हां, देखी!
तो फिर मुझे तुमको यह बताने की जरूरत नहीं है कि स्थिति बहुत खतरनाक है!
रिलेक्स!
सिर्फ तस्वीरें देखकर नासा वाले क्या कर लेंगे! टेंशन मत लो!
तुम शायद भूल रहे हो स्पिरिट जहां की तस्वीरें भेज रहा है, वह शक्ति स्थल है!...
...मैंने तुम्हारे अलावा बाकी सबको भी मैसेज भेज दिया है!
बेकार में मत डरो दोस्त! स्पिरिट सिर्फ तस्वीरें भेज सकता है!

... मंगल ग्रह से कुछ भी नहीं सकता! क्योंकि स्पिरिट वापस नहीं आ रहा है!
ठीक है! लेकिन तुम 'उस पर' कड़ी नजर रखना! अगर कुछ गड़बड़ शुरू हुई तो उसका असर सबसे पहले उस पर होगा!
मैं स्पिरिट पर नजर रखता हूं! कट्!
डॉक्टर गद्रे! डॉक्टर गद्रे!
आपका खास पेशेंट फिर से भड़क गया है! हमारे कर्मचारी उसको संभाल नहीं पा रहे हैं!
व्हाट! मुझसे अभी इसी पर नजर रखने की बात कही जा रही थी और ये अभी भड़क उठा!
यानी गड़बड़ होनी शुरू हो गई है!

ये... ये आपको देखकर क्या बक रहा है डॉक्टर गद्रे?
इस पर पागलपन का दौरा फिर से पड़ रहा है। और इस बार का दौरा बहुत खतरनाक है। डबल डोज का इंजेक्शन तैयार करना पड़ेगा।
अरे! तुम लोगों को क्या हो गया है? इसकी शक्ल देखो! क्या अंधे हो गए हो तुम सब? मेरा साथ छोड़कर इसका साथ दे रहे हो! अरे, मैं तो पागल नहीं हूं! इसने मुझको पागल बना रखा है! हेल्प मी!
कोई मेरी मदद नहीं करेगा!
कोई नहीं करेगा!
लेकिन फिर भी मैं...
...पृथ्वी वालों की मदद करूंगा! अकेला!
रोको! पकड़ो उसे!
चिन्ता मत कीजिए डॉक्टर! हर कॉरीडोर में लगे चैनेल गेट बंद हैं! ये भाग नहीं सकता!
लेकिन डॉक्टरों का ख्याल गलत था-
हरिहर भाग सकता था-
कड़ड़ड़ाक

गड़बड़ हो चुकी है! इसमें इतनी शक्ति आना इस बात का संकेत है कि इसको शक्ति स्थल से फोर्स मिल रही है!
अब मुझको न चाहते हुए भी इसको पकड़ने के लिए पुलिस की मदद लेनी होगी!
और साथ ही साथ इस खतरे के संकेत अपने ग्रुप को भी दे देने होंगे!
हरिहर अब खुले स्थान तक आ गया था-
अब क्या करूं? वह शैतान मेरे पीछे आता ही होगा! उससे पहले मुझको अपनी बात ऐसे लोगों तक पहुंचानी है जो इससे निपटने की क्षमता भी रखते हों और मेरी बात पर यकीन भी कर सकें!
पुलिस तो मुझे पागल ही समझेगी! क्योंकि गद्दे ने मुझको पागल घोषित कर रखा है!
फिर राजनगर में ऐसा कौन हो सकता है?
सुपर कमांडो ध्रुव! शायद वह मेरी बात पर यकीन कर सके!
लेकिन मेरे पास उस तक पहुंचने का वक्त नहीं है! उसको अपने पास बुलाना पड़ेगा! और उसको यहां पर बुलाने का सबसे अच्छा तरीका है तबाही फैलाना!
धड़ाक
अरे! ये भागना बंद करके तोड़-फोड़ क्यों मचा रहा है?
खैर, अच्छा ही है! ऐसे कम से कम ये पुलिस के आने तक रुका तो रहेगा!

RCJ

Amaan
हरिहर की पागलपन से भरी शक्ति सबको चकित कर रही थी-
पुलिस फोर्स घटनास्थल पर पहुँच चुकने के बावजूद भी उसको रोकने में नाकाम थी-
हरिहर को रोकने के लिए पुलिस फोर्स से ज्यादा बड़ी फोर्स की जरूरत थी-
और यह फोर्स एक ही हो सकती थी-
लोहे का जिगर रखने वाला वह शख्स जिसको पूरी दुनिया कहती थी-
इंस्पेक्टर स्टील-
बस बहुत हो गया! रुक जाओ! वर्ना, मुझे तुम पर वार करने को मजबूर होना पड़ेगा!
किस बात का जिक्र कर रहे हो तुम?
और मेरी जानकारी के अनुसार तुम एक पागल हो! भला तुम्हारी बात का यकीन मैं क्यों करूं?
तुम मेरी... मेरी बात सुनो इंस्पेक्टर स्टील! यकीन तुमको खुद ब खुद आ जाएगा।
बस, मुझको पागलखाने में वापस मत भेजना।
इंस्पेक्टर स्टील! चलो, ध्रुव न सही, तुम तो आ गए!
शायद तुम मेरी बात पर यकीन कर सको! मैं अपने आपको तुम्हारे हवाले करता हूं!
ये चक्कर तो उल्टा पड़ गया! इंस्पेक्टर स्टील पुलिस वाला होने के साथ-साथ एक ब्रह्मांड रक्षक भी है!
और कोई भी ब्रह्मांड रक्षक, हरिहर की बात का यकीन कर सकता है! कुछ करना पड़ेगा!

अ! एक मिनट! थैंक्यू, इंस्पेक्टर स्टील! अब मैं इसको साथ ले जाऊंगा!
और आपकी तारीफ!
नहीं, इंस्पेक्टर स्टील! मुझे... मुझे इसके हवाले मत करना! ये शैतान है! मंगल ग्रह का प्राणी है!
मंगल ग्रह का प्राणी!
मैं डॉक्टर गद्रे हूं! मैंने ही पुलिस को फोन किया था! अब आपने इस खतरनाक पेशेंट को पकड़ लिया है तो इसको हमारे हवाले कर दीजिए! हम इसको कड़ी सुरक्षा में रखेंगे!
यही इसके पागलपन का कारण है इंस्पेक्टर! इसको लगता था कि हर दूसरा आदमी मंगल ग्रह का प्राणी है! इलाज करते-करते इतना फायदा हुआ है कि अब ये सिर्फ मुझको मंगल ग्रह का प्राणी समझता है!
मुझे तो बातों से ये पागल नहीं लगता!
कई पागल हर समय पागल नहीं दिखते इंस्पेक्टर! जब-जब दौरा पड़ता है सिर्फ तभी उनमें पागलपन के लक्षण दिखते हैं!
ठीक है डॉक्टर! पहले मैं इससे पूछ-ताछ करके अपनी तसल्ली कर लूं! फिर इसको आपके पास पहुंचा दूंगा!
ये ऐसे नहीं मानेगा!
हरिहर पागल नहीं है! पर अब मैं इसको वह इंजेक्शन चुपचाप लगा दूंगा!...
... जो इसमें पागलपन के लक्षण पैदा कर देगा! पागलपन के दौरे में यह स्टील पर हमला करेगा और 'शक्ति स्थल' की शक्ति इसको स्टील से पिटने नहीं देगी!
और इससे मार खाकर स्टील या तो टूट-फूट जाएगा या फिर उसको इसके पागल होने का यकीन आ जाएगा!

इंजेक्शन ने हरिहर के दिमाग में मौजूद ख्यालों को उसके पूरे दिमाग पर फैला दिया था-
तू... तू भी मंगल ग्रह का प्राणी है! तू स्टील नहीं है! पुलिस में भी मंगल ग्रह वालों की घुसपैठ हो गई है! अब जो करना है वह मुझको खुद ही करना है!
देखा, स्टील! यही मैं कह रहा था! अब ये तुमको भी मंगल ग्रह का प्राणी कह रहा है!
मंगल ग्रह के प्राणियों के पृथ्वी पर कब्जा करने के षड्यंत्र को नाकाम करूंगा मैं!
मैं समझ गया डॉक्टर गद्रे! अब मैं इसको काबू में करके आपके ही हवाले करूंगा!
ताकि आप इसके दिमाग पर छाए मंगल ग्रह के ख्यालों को निकाल सकें!

नासा और उससे जुड़े दुनियाभर के वैज्ञानिक बहुत ज्यादा उत्साहित थे-
कमाल हो गया! मुझको तो अपनी आंखों पर यकीन ही नहीं हो रहा है कि हमने मंगल ग्रह पर सभ्यता के चिन्ह ढूंढ निकाले हैं।
अभी अपने 'एक्साइटमेंट' को बचाकर रखो डॉक्टर! स्पिरिट ने वहां की सतह की खुदाई करके कुछ सैंपल निकाले हैं, और अब वह उन सैंपलों की जांच करेगा। मुझे पूरा यकीन है कि इस जांच में हमको जीवन के पुख्ता सबूत जरूर मिलेंगे!
लो! कंप्यूटर स्क्रीन पर जांच के 'डाटा' आने लगे हैं! पर...पर इसके अनुसार तो वहां की मिट्टी में जीवन का कोई भी चिन्ह नहीं है!
NO
LIFE SIGN
...स्पिरिट मार्स की सतह को छोड़-कर उड़ रहा है! पर इसमें वापस आने के लिए न तो इंजन लगा है और न ही इसमें ईंधन है!
MARS
EARTH
ये कैसे हो सकता है? किसी न किसी ने तो ये आकृतियां बनाई ही होंगी!
पर... अरे! देखो! आइ डोंट बिलीव इट!...
यह तो पृथ्वी की तरफ वापस आ रहा है! पर... पर कैसे?

वह रहस्यमय शख्स भी चौंक उठा था-

ओह! 'शक्ति स्थल' का हमला शुरू हो गया है! और उसकी ही शक्ति के कारण यह यान तेजी से वापस आ रहा है! इसको संगल तक पहुंचने में एक साल जरूर लगा था, पर इसको वापस आने में एक घंटा भी नहीं लगेगा!

इसको रेंज में आते ही 'कलस्टर बीम' से नष्ट करना होगा!

तेज गति से पृथ्वी की तरफ आता हुआ स्पिरिट यान जैसे-जैसे पृथ्वी के पास आता जा रहा था-

वैसे-वैसे स्टील की मुश्किलें भी बढ़ती जा रही थीं-

आऽऽऽऽ

हाड़-मांस के शरीर में भला इतनी शक्ति कैसे हो सकती है कि वह मेरे स्टील के कल-पुर्जों को भी हिलाकर रख दे!

अब मुझको भी इसको काबू में करने के लिए इस पर भरपूर वार करना ही पड़ेगा!

स्टील के उस वार में घोड़े तक को बेहोश कर देनेलायक शक्ति थी-
हरिहर भी इस वार में लड़खड़ा गया-
और उसके संभलने से पहले ही-
स्टील, उसको एक ऐसी कैद में बांध चुका था, जिससे बाहर निकल पाना किसी भी इंसान के लिए असंभव था-
लेकिन हरिहर फिलहाल एक आम इंसान नहीं था-
ओsssह! देखकर भी यकीन नहीं हो रहा है! अब तो मुझे इसको बेबस करने के लिए लेसर गन को प्रयोग में लाना होगा!

मैं इस पर अपने 'स्टनरे' का प्रयोग करूंगा! जो इसको नुकसान पहुंचाने के बजाय इसके 'नर्वस सिस्टम' को जड़ कर देगी! और फिर मैं इसको आराम से पकड़ सकूंगा!
अरे! 'स्टनरे' तो इसके शरीर से टकरा कर पलट रही है! मेरी तरफ!
अगर ये मुझसे टकरा गई तो...
...इसके सिग्नल मेरे इलेक्ट्रॉनिक सर्किटों को जाम करते चले जाएंगे!
और इसके बजाय मेरा शरीर जड़ होकर रह जाएगा!
अब मैं तेरे पुर्जे-पुर्जे अलग कर दूंगा, मंगल वासी! मेरी मैग्नेटिक किरण तेरे शरीर के अंगों में विकर्षण पैदा कर देगी और वे एक-दूसरे से अलग होने के लिए बेताब होने लगेंगे!

लेकिन इससे पहले कि वह विकर्षण किरण, स्टील तक पहुंचकर उसको तोड़ डालती-
उस वार को वह मोटर साइकल झेलकर टुकड़े-टुकड़े हो गई-
आsssह! थैंक्स, ध्रुव!
ध्रुव! सुपर कमांडो ध्रुव! इसी से तो मुझको मिलना था!
ध्रुव का नाम सुनकर हरिहर का दिमाग, उसके नियंत्रण में आने लगा था-
लेकिन पागल बना देने वाली दवाई का असर भी कम तेज नहीं था-
नहीं! तू ध्रुव नहीं है! मैं पहचान रहा हूं तुझको! तू ध्रुव के रूप में मंगल ग्रह का वासी है! पर अब मुझे कोई रोक नहीं पाएगा, कोई नहीं!
बस! बहुत हो गया! अब मैं इसको भून डालूंगा!

नहीं! रुको! ऐसा मत करना!
पर गोली चल चुकी थी-
धांय
लेकिन 'शक्तिस्थल' ने हरिहर की सुरक्षा का पूरा इंतजाम कर रखा था-
तेरी गोली की गति जरा कम है! ले, मैं इसको जरा और गति दे देता हूं!

उस अद्भुत गन ने एक गोली के कई प्रतिरूप बना डाले, और इंसानी नजरें उन गोलियों को देख तक नहीं पाईं-
बड़ाम
बूम्म्मम
हर गोली ने बंदूकों के चिथड़े उड़ा डाले-

Amaan
इस पागल को ध्यान से देखो! इसकी शर्ट में छेद है! और उस छेद के चारों तरफ गीलापन है! यानी यह इंजेक्शन इसको लगाया गया है! और वह भी अभी!
यह पागल पहले पागल नहीं था! यह इंजेक्शन लगाने के बाद ही इसमें पागल पन के लक्षण आए हैं!
पर यह काम तो सिर्फ डॉक्टर गद्रे ही कर सकता है! पर वह ऐसा करेगा क्यों?
यह तो डॉक्टर गद्रे से पूछने के बाद ही पता चलेगा! लेकिन फिलहाल हमारे पास इसका वक्त नहीं है!
इसका वक्त तो हमको तभी मिलेगा जब इसका पागलपन हम दूर कर सकें!
पर ये होगा कैसे ध्रुव?
अब मंगल ग्रह का कोई भी प्राणी नहीं बचेगा! धरतीवाले मंगल वासियों के गुलाम नहीं बनेंगे!
सबको नष्ट कर डालूंगा मैं!
आSSSह! इसकी किरण का स्पर्श होते ही मेरी खाल किसी मसी की तरह सिकुड़नी शुरू हो गई है!
ये हमारे शरीर की ऊर्जा को खींच रहा है! जीवित त्वचा को 'डेड स्किन' बना रहा है!
मेरी स्टील बॉडी भी गल रही है! और मैं हिल भी नहीं सकता! इसको रोकना होगा!
पर कैसे? कैसे रोक सकते हैं हम इसको?

ध्रुव और इंस्पेक्टर स्टील बहुत तेजी से अपने शरीर की ऊर्जा को खोते जा रहे थे-
हा हा हा! मरेंगे! सारे मंगल के प्राणी मरेंगे!
और किसी गुप्त स्थान पर-
किसी और की धड़कनें बढ़ती जा रही थीं-
बस! अब इसको खत्म करना ही होगा! इसको पृथ्वी तक पहुंचने से रोकना होगा!
ऐसा वार करना होगा, जिससे शक्ति स्थल की शक्ति भी न बच पाए!

'स्पिरिट' की इस हरकत से पूरी दुनिया के वैज्ञानिक आश्चर्यचकित थे-
स्पिरिट के इस तरह से वापस आने का क्या मतलब हो सकता है, सर?
स्पिरिट अपने आप तो बगैर इंजन और ईंधन के वापस तो नहीं आ सकता है! ज़ाहिर है कि कोई और शक्ति इसको पृथ्वी की तरफ भेज रही है! शायद इसी तरह से मंगल ग्रह के प्राणी हम तक संदेश पहुंचाना चाहते हों!
हो सकता है! अभी तक मंगल ग्रह पर जीवन के चिन्ह तो नहीं मिले, पर शायद संदेश से ही हमको रास्ता दिख जाए!
स्पिरिट पृथ्वी के वातावरण में दाखिल हो चुका है!
और इसकी गिरने की दिशा बता रही है कि यह भारत के पास अरब सागर में कहीं पर उतरेगा!
वहीं पर पास में 'दियागो गार्सिया' में अमेरिकी नौ सेना का ठिकाना है! वे स्पिरिट को वहां से सही-सलामत हमारे पास ले आएंगे!
लो देखो! अब हमारी स्पाई सेटेलाइट भी स्पिरिट को देख सकती है!
पर... पर ये क्या? पृथ्वी से कोई किरण आकर स्पिरिट से टकराई है! स्पिरिट चमक रहा है!
अब चारों तरफ से ऊर्जा के छल्ले स्पिरिट को जकड़ रहे हैं!
एक छल्ला टूटता है तो दूसरा उसकी जगह ले लेता है! यह आखिर हो क्या रहा है?
यह हमला स्पिरिट को हवा में ही नष्ट कर देने के लिए किया गया था-

और इसी के साथ वह धमाका हुआ जिसने अपनी चमक के साथ-साथ स्पिरिट के टुकड़े भी हवा में बिखेर दिए-
ओफ्फ! हमला तो सफल रहा! लेकिन मेरी उम्मीद के मुताबिक स्पिरिट चूर-चूर नहीं हुआ! बल्कि ये टुकड़ों में बंट गया है! और ये टुकड़े भारत में अलग-अलग स्थानों पर गिर रहे हैं! अब दुबारा वार कर पाने का मौका नहीं है!
मुझे इन टुकड़ों के गिरने के स्थान का पता लगाकर अपने ग्रुप को सूचित करना होगा! ताकि वे हर टुकड़े को गिरने के स्थानों पर जाकर नष्ट कर सकें!
ऐसा ही कुछ ख्याल वैज्ञानिकों के दिमाग में भी आ रहा था-
ओफ! स्पिरिट नष्ट हो गया! और उसके साथ-साथ उसके अंदर जो भी जानकारी मौजूद रही होगी, वह भी गुम हो गई है!
न जाने वह कौन सा शैतान है जो मंगल की जानकारी हम तक पहुंचने देना नहीं चाहता!
स्पिरिट नष्ट नहीं हुआ है सर! टुकड़ों में बंट गया है! वे टुकड़े पृथ्वी पर ही गिरेंगे! हम उन टुकड़ों को फिर से जोड़ सकते हैं! और अगर भगवान ने चाहा तो जानकारी भी हासिल कर सकते हैं!
सलाह एकदम दुरुस्त है! और ये काम कर सकते हैं सिर्फ...
...ब्रह्मांड रक्षक!
मैं अभी उनसे संपर्क करके उनसे स्पिरिट के टुकड़ों को कब्जे में लेने को कहता हूं!
प्रोबॉट! आपकी सहायता के बगैर तो मार्स मिशन सफल हो ही नहीं सकता है!

ब्रह्मांड रक्षकों को फिलहाल अपनी ही सुरक्षा पर ध्यान लगाना पड़ रहा था-
आऽऽऽह! मेरे दोनों हाथ टूटकर नीचे गिर गए हैं! कुछ ही देर बाद में किसी कबाड़ी की दुकान पर तौला जा रहा होऊंगा!
और मैं किसी म्यूजियम में ममी की जगह पर शीशे के बॉक्स में लेटा मिलूंगा!
अगर ये पागल नहीं हुआ होता तो शायद इसको समझाया जा सकता था! अब या तो समय रहते इसका पागलपन दूर हो जाए, या फिर...
...वो मारा!
अब क्या हुआ ध्रुव? क्या तुम्हारा भी हाथ टूट गया है!
नहीं, स्टील! मैं इसका पागलपन दूर कर सकता हूं। पागलों को ठीक करने के लिए बिजली के झटके दिए जाते हैं। और तुमने स्ट्रीट लाइट के खंभे को उखाड़कर यह काम आसान कर दिया है!
अब मैं हाइ वोल्टेज बिजली के इस तार से...
...इसको झटका दे सकता हूं! और उम्मीद कर सकता हूं कि ये ठीक हो जाए!
ये क्या कर रहा है? ये झटका हरिहर के पागलपन को कुछ देर के लिए दूर कर देगा!
हरिहर को उठाकर ले जाने का यही मौका है! इस वक्त सभी बेबस हैं!
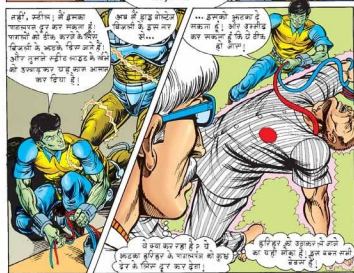
तभी-
ओफ़! ये... ये क्या था?
बड़ाम
अगले ही पल उसके कानों में एक आवाज गूंज उठी-
ध्यान से सुनो! मैंने स्पिरिट को नष्ट कर दिया है। पर उसके टुकड़े पृथ्वी पर गिरे हैं! एक टुकड़ा तुम्हारे पास ही गिरा है!
उसको ढूंढ़कर नष्ट कर दो! तुरंत!
चिन्ता मत कर वह टुकड़ा मुझको नजर आ रहा है!
ओ. के.! नष्ट कर दो उसको!
मैं ग्रुप के बाकी मेंबरों से संपर्क करता हूं!
बस, डॉक्टर गद्रे! बहुत हो गया!
तुम... तुम दोनों ठीक हो गए? कैसे?
हां! इसका दिमाग काबू में आते ही हम पर हो रहा इसकी किरणों का असर भी रिवर्स हो गया!
अब बताओ कि ये सब क्या चक्कर है? क्यों पागल बनाना चाहते हो तुम इसको? और इसके पास एकाएक आश्चर्यजनक शक्तियों के आ जाने के पीछे क्या राज है?
बस! बहुत हो गया चूहे बिल्ली का खेल!
अब अगर तुम लोग अपने होश को संभाले रख पाओ तो अपने सवालों के जवाब भी सुन लेना!
डॉक्टर गद्रे का रूप बदल रहा है ध्रुव!

हां! मेरा रूप तो बदलना ही था! अब तो मैं चाहकर भी इसको रोक नहीं सकता था!... लेकिन मैं तुमको जरूर रोक सकता हूं!
आज ब्रह्मांड रक्षकों के ग्रुप में से दो ब्रह्मांड रक्षक कम हो जाएंगे!
जब तुम हरिहर की मामूली सी शक्तियों से नहीं निपट पाए तो फिर मुझसे क्या निपटोगे?
यह पागल... मेरा मतलब हरिहर ठीक ही कह रहा था! ग्रह वास्तव में एक परग्रही है! हमको सवालों के जवाब तो नहीं मिले, लेकिन नए सवाल जरूर हमारे सामने खड़े हो गए हैं!
अब तो हरिहर को बचाना और भी जरूरी हो गया है! सिर्फ वही इस रहस्य पर से पर्दा उठा सकता है कि ये सब क्या हो रहा है!
लेकिन क्या हम इसकी शक्तियों के सामने टिक पाएंगे?

मुंबई - 4 जून - सुबह के 2.00 बजे -

न्यूक्लियर बम के पार्ट्स गुजरात के रास्ते आ चुके हैं, मैडम!

करा‌ओ!

ऑर्डर दें तो माल की अनलोडिंग कराऊं!

ठीक है!

लेकिन... अनलोडिंग से पहले माल लाने वाली पार्टी अपना रोकड़ा मांग रही है!

उनके दस करोड़ बनते हैं!

जाओ! दे दो पैसे और पार्ट्स को ट्रक से उतरवाओ!

कुछ ही देर बाद -

अनलोडिंग की जरूरत नहीं है प्यारे!

इतने पैसों में तो तुम ट्रक भी रख सकते हो! माल चेक कर लो और हमें जाने दो! फिर इस ट्रक को कबाड़ बनाकर फेंक देना!

Amaan
भौं भौं
बाऊ बाऊ
अरे, ये कुत्ते! ये ढेर सारे कुत्ते कहां से आ गए! हटाओ इनको रास्ते से, और कोई टैक्सी ढूंढो!
जानते हो भाई, डरपोक इंसान और कुत्ते एक से क्यों होते हैं! दोनों एक ही गोली के धमाके से भाग जाते हैं!
एक कुत्ते की खोपड़ी में गोली उतार दूंगा तो बाकी अपने आप भाग जाएंगे!
गन कुत्तों की तरफ तनी-
मगर ये कुत्ते शायद गन को देखने के आदी थे-
क्योंकि गोली दग पाने से पहले ही-
अरे! इसने तो मेरे हाथों से गन ही लपक ली!
कहीं ये दस करोड़ से भरा बैग न लपक लें!
भाग!
अरे! वह रही एक टैक्सी!
टैक्सी! टैक्सी!
चलो! चलो भाई! जल्दी चलो!
कहां चलना है?
कुत्तों से दूर! मेरा मतलब रेलवे स्टेशन चलो! एयरपोर्ट चलो! कहीं भी चलो!

कुत्ते तो हर जगह हैं कुत्तो! वर्ना जब तुम मरोगे तो तुम्हारी लाशें कौन खास्गा?
क्या... बकवास कर रहा है तू? जानता नहीं किससे बात कर रहा है?
जानता हूं!

पर तू नहीं जानता कि तू किससे बात कर रहा है!

एक्सीडेंट! च् च् च् च्!

मुझे मेरे अंडरवर्ल्ड के सूत्रों से इस बात की जानकारी पहले ही लग गई थी कि गुजरात से एक ट्रक न्यूक्लियर बम के पार्ट्स को लेकर मुंबई आ रहा है! मैं चाहता तो उस ट्रक को रास्ते में ही रोक सकता था! पर मुझको उस शख्स तक पहुंचना था जो इस विनाशकारी हथियार का प्रयोग निर्दोषों की जान लेने के लिए करना चाहता है!
अब मुझको यह पता चल चुका है कि वह बम बनाने की इच्छा रखने वाला शख्स यहां पर है! अब यहां पर बम तो जरूर फटेगा...

...लेकिन उस बम का नाम होगा डोगा!
और उसमें बारूद की जगह भरा होगा डोगा के गुस्से का लावा!

उस गोदाम के अंदर-
सारे पार्ट्स फिट हो चुके हैं मैडम! इसमें प्लूटोनियम भी डाला जा चुका है! अब ये बम फटने के लिए तैयार है!
शाबाश! लेकिन हमको इसे फोड़ना नहीं है! इसका क्या काम है, यह समय आने पर तुमको पता चल जाएगा!

यस, चीफ! जल्दी बोलो! मैं अभी बहुत बिजी हूं!
'स्पिरिट' को मैंने नष्ट कर दिया है! पर उसके टुकड़े पृथ्वी पर गिर रहे हैं! एक टुकड़ा मुंबई की तरफ ही गिर रहा है!

अब... ...अरे! चीफ का मैसेज आ रहा है!
HANDLE with CARE

उसको ढूंढ़कर तुरंत नष्ट कर दो! वर्ना...
ओ. के.! ओ. के चीफ! मैं समझ गई!

डोगा बिल्डिंग के अंदर आ चुका था-
अरे! यह क्या था? बाहर ये धमाका कैसा था?
ओह! इन्होंने तो बस को पूरा बना लिया है!
इनको तुरन्त काबू में करना होगा!
डोगा की तरह-
ख़ैर! कुछ भी हो! मुझे अभी अपना ध्यान भटकाना नहीं है!
मैडम के सामने भी नई मुसीबतें आ रही थीं-
ओह! स्पिरिट का टुकड़ा मेरे पास ही गिरा है!
पर...पर ये क्या? गोदाम में कोई बाहर वाला भी है!
और वह वहां पर है!
रोको उसे!
डोगा! ये तो डोगा है! इसको रोकना हमारे बस की बात नहीं है!
तुम्हारे बस की शायद न हो! लेकिन इन हथियारों के बस की है!
डोगा की बचकानी बंदूकें इनकी किरणों का मुकाबला नहीं कर पाएंगी!
ये हथियार कैसे? पर... पर मैडम, आपके चेहरे को क्या हो रहा है?
आपका चेहरा तो... शैतानों जैसा होता जा रहा है!
व्हाट!
इसका एक ही मतलब है! उस पागल के दिमाग से हमारा संपर्क टूट रहा है!

अब समय नहीं है! मुझको जल्दी से जल्दी जाकर स्पिरिट के उस टुकड़े को नष्ट करना होगा!
और जब तक मेरे आदमी डोगा को रोकेंगे तब तक मैं यह काम आराम से कर लूंगी!
तुम लोग डोगा को रोको! भून डालो उसे! तब तक मैं यह पता करती हूं कि मेरा रूप क्यों बदल रहा है?
मैडम को हो क्या गया है?
पता नहीं! पर उस बात का डोगा को खत्म करने से कोई संबंध नहीं है! भून डालो इसे!
ओफ़! मेरे हथियार इन विनाशकारी हथियारों का मुकाबला नहीं कर सकते!
अब तो जान बचानी भी मुश्किल है!

हर जगह हो रही इन लड़ाइयों में अब एक नया कारण जुड़ने जा रहा था–
बस, प्रोबॉट! मैं समझ गया। अगर तुम मुझको यह सूचना जरा सा पहले दे देते तो मैं स्पिरिट के टुकड़ों को हवा में ही लपक लेता।
प्रोबॉट के मुताबिक स्पिरिट तीन टुकड़ों में बंट गया है! और वे टुकड़े मुंबई, राजनगर और महानगर के क्षेत्रों में गिरने वाले हैं!
अब बस यही मनाओ कि वे टुकड़े किसी आबादी वाले स्थान पर न गिरें! अगर ऐसा हुआ तो जानमाल का भारी नुकसान होगा!
मैं अभी ब्रह्मांड रक्षकों को उन टुकड़ों को अपने कब्जे में लेने की सूचना भेज देता हूं!
मुझे तुरन्त डोगा, नागराज और ध्रुव को संदेश भेजने होंगे! और अगर संपर्क न हो पाया तो शक्ति और मैं खुद जाकर ये संदेश दूसरे ब्रह्मांड रक्षकों तक पहुंचाएंगे!
ध्रुव और स्टील को फिलहाल हरिहर को बचा पाना ही एक बड़ा काम लग रहा था–
आऽऽऽ ह! यह तो हमको हवा में टकराकर खत्म कर देना चाहता है!
हमको नहीं सिर्फ मुझको स्टील! क्योंकि हम दोनों अगर टकराते तो हड्डी-पसली तो सिर्फ मेरी ही टूटती!
अब तुम तो बच गए पर मैं शायद साबुत न रहूं!
क्योंकि इतनी ऊंचाई से गिरकर मैं बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो जाऊंगा!
मेरे पास तो तुम्हारी तरह स्टार लाइन भी नहीं है!

मेरा एकमात्र सहारा सिर्फ मेरा रिमोट हेलीकॉप्टर है जो इतनी जल्दी यहां तक नहीं आ सकता!
ध्रुव और स्टील! तुममें से जो भी मुझे सुन रहा हो ध्यान से सुनो!
ये तो परमाणु है!
श श श! सुनो कि ये क्या कह रहा है?
पृथ्वी की तरफ आ रहे मंगल खोजी यान स्पिरिट को किसी ने नष्ट कर दिया है! उसका एक टुकड़ा राजनगर में ही गिरेगा! उसको ब्रह्मांड रक्षकों के द्वारा कब्जे में लिया जाना बहुत जरूरी है!
लो! ये जिस टुकड़े की बात कर रहा है वह तो यहीं पर गिरा है!
उसकी बाद में सोचेंगे! पहले तो मेरी सोचो! मैं गिर रहा हूं!
तो फिर तुमको बचाने का एक ही तरीका नजर आ रहा है! पर वह तुम्हारे लिए घातक भी सिद्ध हो सकता है!
लेकिन हमारे पास और कोई चारा भी नहीं है!
मेरी स्टार लाइन तुम्हारा बोझ नहीं संभाल सकती!
कैसा तरीका? ओह! तुमने मुझे इतनी जोरदार किक क्यों मारी?

लगभग पांच सेकंड के बाद स्टील का शरीर स्विमिंग पूल के पानी में डूब रहा था-
स्टील का शरीर टूटने से तो बच गया था-
लेकिन ध्रुव द्वारा सोचा गया खतरा भी उसके सामने मुंह बाकर खड़ा हो गया था-
पानी ने स्टील के नाजुक सर्किटों को शॉर्ट करना शुरू कर दिया था-
और अब उस प्राणी के रास्ते में सिर्फ एक अवरोध बचा था-
एक ब्रह्मांड रक्षक रास्ते से हट चुका था-
सुपर कमांडो ध्रुव-
मेरा रास्ता रोकने की कोशिश मत कर लड़के...
...वर्ना मैं तेरी जिन्दगी का रास्ता छोटा कर दूंगा!
परमाणु ने तो बड़े आराम से कह दिया था स्पिरिट के टुकड़े पर कब्जा कर लो...

...लेकिन कब्जा करूं तो कैसे? इसकी शक्तियों के सामने तो मेरा दिमाग भी काम नहीं कर रहा है!

हा हा हा हा! यही है ब्रह्मांड रक्षकों की शक्ति? तुमसे तो लड़ने में मुझे मजा भी नहीं आ रहा है!

आऽऽऽह!

मुझे खुद भी बचना है! इस पागल को भी इससे बचाना है, और इसको स्पिरिट के मलबे से दूर भी रखना है!

और मैं इनमें से एक काम भी नहीं कर पा रहा हूं! क्योंकि मुझको न तो इसकी शक्तियां पता हैं, और न ही इसकी शक्तियों का राज!

लेकिन ध्रुव की फुर्ती वह भांप नहीं पाया था-

ध्रुव ने दूसरी तरफ से निकलकर कार के दरवाजों को बंद कर दिया था-

और रिमोट ने कार के सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम को चालू कर दिया था-

और मैं उतनी देर में स्पिरिट के टुकड़े को उठाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दूंगा!
ध्रुव अंजाने में ही यह लड़ाई जीत चुका था-
अरे! यह क्या? कार के अंदर पहुंचकर यह शक्तिहीन सा क्यों हो गया है? इसकी शक्तियां इसको कार से बाहर नहीं निकाल पा रही हैं!
ये आम इंसानों की तरह कार को खोलने की कोशिश कर रहा है!
अच्छा ही है। अब मैं इस पागल को स्पिरिट के इस टुकड़े के साथ सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दूंगा!
फिर वापस आकर इससे निपटूंगा। उम्मीद है कि तब तक ये कार में ही बंद रहेगा।
इस कार के अंदर आकर मुझे सेंट्रल लैब से मिलने वाले पावर सिग्नल बंद हो गए हैं। और वह लड़का मेरे काम की दोनों चीजें लेकर भाग रहा है। ऐसा नहीं हो सकता।
मैं ऐसा होने नहीं दूंगा!
एक वार में ही डैश बोर्ड चकनाचूर हो गया। तारें सामने नजर आने लगीं-
और उसके हाथ उन तारों को एक नए तरीके से जोड़ने लगे-

और कार स्टार्ट होकर ध्रुव के पीछे दौड़ पड़ी-
ओ गॉड! इसने तो कार को स्टार्ट कर लिया! जबकि चाबी तो मेरे पास थी! पर इस कार की गति इतनी तेज कैसे हो गई? यह तो कम से कम तीन सौ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से मेरे पीछे आ रही है!
ध्रुव को रास्ते में ही रुक जाना पड़ा-
ओह! इसने मेरा रास्ता घेर लिया है!
पर अब ये क्या करेगा?
अगले ही पल ध्रुव को जवाब मिल गया-
अरे! कार की हेडलाइटों से धमाका क्यों हो रहा है?
समझ गया! इसने किसी अंजान तकनीक की मदद से कार की हेडलाइट को हाई पॉवर लेजर बीम में बदल दिया है!
और इसकी मदद से ये मुझे, इस पागल को और स्पिरिट के टुकड़े को एक साथ नष्ट कर देना चाहता है!

और इन दोनों बोझ को संभालने के कारण मैं स्टार लाइन का प्रयोग भी ठीक तरह से नहीं कर सकता। पर अगर लेजर बीम से बचना है तो स्टार लाइन का प्रयोग तो करना ही पड़ेगा।
ध्रुव, ग्रैंडमास्टर रोबो की पतली लेजर बीम को छकाने में तो कई बार कामयाब हुआ था-
लेकिन ये विनाशकारी बीम उससे कई गुना ज्यादा मोटी और विनाशकारी थी-
आऽऽऽह! शुक्र है कि हम ज्यादा ऊपर से नहीं गिरे! वर्ना इसे हमको मारने की जरूरत ही नहीं पड़ती!
हा हा हा! अब शक्ति स्थल की शक्ति भी हरिहर की मदद नहीं कर पा रही है। क्योंकि स्पिरिट में मौजूद शक्ति स्थल की पॉवर भी स्पिरिट के साथ-साथ टुकड़ों में बंट चुकी है!
अब मुझको हरिहर को जिन्दा रखने की कोई जरूरत भी नहीं है! अब एक ही बार में ये तीनों खत्म हो जाएंगे!
अब बचना मुश्किल था! डबल लेजर बीम निशाने पर तन चुकी थी-

लेकिन लेजर बीम दगने से पहले ही हेडलाइटों का रुख आसमान की तरफ हो गया था-
थैंक गॉड कि तुम वक्त पर आ गए स्टील! पर तुम्हारे सर्किट पानी में खराब होने से बच कैसे गए?
बचे कहां ध्रुव! मेरे आधे से ज्यादा सर्किट खराब हो चुके हैं! अभी तो मेरा शरीर 'इमर्जेंसी पावर' पर चल रहा है!
चलो, तुम्हारे आने से मेरा एक काम तो आसान हो गया!
अब तुम इसको रोककर रखो, तब तक मैं स्पिरिट के टुकड़े को ठिकाने लगाकर आता हूं!

इसको रोकने की जरूरत पड़ेगी ही नहीं, ध्रुव! क्योंकि अब ये होश में ही नहीं रहेगा!
सबसे पहले मैं इस कार को नष्ट करूंगा, ताकि इसका इलैक्ट्रिकल सिस्टम नष्ट हो जाए और ये विनाशकारी लेजर बीम बंद हो जाए...
...और उसके बाद...
उसके बाद तू मरेगा! क्योंकि इलैक्ट्रिक सिस्टम खत्म होने से लॉकिंग सिस्टम भी खत्म हो जाएगा, और दरवाजे खुल जाएंगे!
अब मुझको पॉवर सिग्नल फिर से मिल रहे हैं! अब मैं कोई चूक नहीं करूंगा! कम से कम दो ब्रह्मांड रक्षकों को तो मैं रास्ते से हटा ही दूंगा!
पावर!
इसका बदन तो ऊर्जा से चमकने लगा है!
अब देखो मेरा कहर!
बादलों में दौड़ती बिजलियों की तरह धरातल पर बिजली की लाइनें चमकने लगीं–

Amaan
और-
आऽऽऽह!
कुछ ही पलों में ये ऊर्जा की तरंगें तुम सबको झुलसा देंगी! सिरिट का मलबा भी नहीं बचेगा!
तू भाग्यवान है ध्रुव! तू फटाफट खाक हो जाएगा! जबकि स्टील को पिघल-पिघलकर मरना पड़ेगा!
इन विद्युत तरंगों से बचने का एक ही रास्ता है!
मैं इस कार पर चढ़ जाता हूं! रबर के विद्युतरोधी टायर मुझे बिजली के खतरनाक झटकों से बचा लेंगे!
पर कब तक ध्रुव? कब तक? रबर भी इस ऊर्जा की गर्मी से पिघल रहा है! उसके बाद तो पूरी कार ही पिघल जाएगी! पर तब तक तू झटके से मर चुका होगा हरिहर के साथ!

ओफ़! टायर सचमुच पिघल रहे हैं! क्या अब बचने का कोई रास्ता नहीं है!
स्टील का शरीर तक पिघलना शुरू हो गया था! और ऊर्जा के झटके उसको हिलने तक का मौका नहीं दे रहे थे-
ओफ़! अब क्या करूं?
एक काम हो सकता है! यस! इस कार को स्टील ने पटककर कमजोर कर दिया है!
मैं अगर अपनी पूरी ताकत लगाऊंऽऽऽ...
...तो कार की मेटल बॉडी को अलग कर सकता हूं!
कुछ ही देर में कार की बॉडी सड़क पर पड़ी हुई, ठोस से तरल में बदलती जा रही थी-
ये क्या कर रहा है? क्या इसको मरने की बहुत जल्दी है?

और फिर-
स्टील, ध्यान से सुनो! तुमको अपनी पूरी इच्छाशक्ति जुटानी पड़ेगी! क्योंकि अब सिर्फ तुम ही हम तीनों को और स्पिरिट के टुकड़े को बचा सकते हो! सुनो...
समझ गया ध्रुव! अब मुझे न बिजलियां रोक सकती हैं और न ही आंधी!

क्योंकि मैं एक ब्रह्मांड रक्षक हूं! मेरे रहते मानवता के दुश्मन सफल नहीं होंगे!
मेरी तरफ...
...आssss ह!
स्टील के उस वार ने स्टील के साथ-साथ-
अरे! कमाल है! पैर गल रहे हैं!
लेकिन ये फिर भी आगे बढ़ता आ रहा है!
उस प्राणी को भी हिला डाला-
उसका ऊर्जामय शरीर हवा में उड़ता हुआ पिघलती हुई कार की बॉडी की तरफ धातु परजा गिरा-
देखते ही देखते उसका शरीर धातु की पर्त में लिपटता चला गया-
और चारों तरफ दौड़ रही ऊर्जा की लकीरें मिटने लगीं-
ये... ये चमत्कार कैसे हो गया, ध्रुव?
जब मैंने इसको कार में बंद किया था तो इसकी शक्तियां कुछ देर के लिए लुप्त हो गई थीं!
शायद ऐसा कार की मेटल बॉडी में मौजूद लेड धातु के कारण हुआ होगा! लेड धातु कई तरह की रेडियो तरंगों को रोक सकती है!

मुझे पक्का यकीन है कि इसको शक्ति देने वाले सिग्नल कहीं और से मिले थे! अब सिग्नल ना मिल पाने के कारण ये शक्तिहीन हो गया है!
जिसको फोरोब सबसे कमजोर ब्रह्मांड रक्षक समझ रहा था उसी ने उसको बेबस कर दिया है! अब ये स्पिरिट के टुकड़े को नहीं ला सकता! पर मुझे इसको तो बचाना ही होगा!
TELEPORTATION ACTIVATED
'टेलीपोर्टेशन रे' की मदद से इसको यहां पर खींच लेता हूं!
और उसके बाद मैं देखूंगा कि मुंबई में गिरे टुकड़े को लाने में डोरेली सफल हो पा रही है या नहीं!
और लगभग तुरन्त ही-
अरे! ये क्या हो रहा है?
तुम्हारा शक ठीक था ध्रुव! जहां से इसको पॉवर भेजी जा रही थी, इसको जरूर वहीं पर ले जाया गया होगा!
खैर! हम इसका पीछा तो नहीं कर सकते, लेकिन इस पागल को अस्पताल ले जाकर इसको होश में ला सकते हैं!
शायद इससे ही हमको इस सारे घटनाक्रम को सुलझाने का रास्ता मिल जाए!
अस्पताल में-
हमको उसके दिमाग का इमर्जेंसी ऑपरेशन करना पड़ा है! और उसके दिमाग के अंदर से हमको यह मिला है!
ये तो माइक्रोचिप लगती है! पर मैंने आज तक ऐसी चिप कभी नहीं देखी!
और हां! उसके अंदर हमको पागलपन के कोई लक्षण नहीं मिले! वैसे उसको एक-दो घंटों में होश आ जाएगा!
फिर चाहो तो उससे हल्की-फुल्की पूछताछ भी कर सकते हो!
ठीक है डॉक्टर! तब तक मेरी रिपेयर पूरी हो जाएगी!
तब तक मैं भी स्पिरिट के टुकड़े को ब्रह्मांडरक्षक के हेडक्वार्टर पर पहुंचाकर लौट आऊंगा!

स्पिरिट के दूसरे टुकड़े को हासिल करने के लिए जद्दोजहद जारी थी-
आह! इनके हथियारों से बच पाना मुश्किल है! क्योंकि इनका निशाना अचूक है! और धमाके जानलेवा!
मैं इन गुंडों के पास फटक तक नहीं पा रहा हूं! बस एक बार इनके हाथों से ये गनें छूट जाएं तो...
...ओ, हां! अभी इसका इंतजाम करता हूं!
कुलांचे भरता हुआ डोगा का शरीर फिर से पहली मंजिल की तरफ लपक गया-
जहां पर रखा हुआ था-
वह सूटकेस जिसमें दस करोड़ के नोट भरे हुए थे-
इस सूटकेस को मैं सुबूत के तौर पर साथ लेता आया था! पर अब यही सूटकेस मुझे बचाएगा! जब पैसों के लालची ये गुंडे हवा में उड़ते हजारों नोटों को देखेंगे...
अरे! देखो! हजार-हजार के नोट! लूट लो!
...तो नोट समेटने के चक्कर में बंदूकें अपने आप इनके हाथों से छूट जाएंगी!
और फिर डोगा का एक-एक निशाना ही इनके लिए काफी होगा!
और उसके बाद मैं देखूंगा कि वह रहस्यमय औरत बाहर क्या करने गई है?
क्या बाहर हुए धमाके और उसके बाहर जाने में कोई संबंध है!

लेकिन डोगा को बाहर आने में देर हो गई थी-
बाहर गिरने वाला टुकड़ा स्पिरिट का ही मलबा था और वह डोरोली के हाथ लग चुका था-
हा हा हा! सफलता! अब मैं उस ब्रह्मांड रक्षक के आने से पहले ही यहां से स्पिरिट के टुकड़े के साथ गायब हो चुकी होऊंगी!
टेलीपोर्ट मी चीफ!
पॉवर लैब से होती हुई टेलीपोर्टेशन बीम डोरोली की तरफ बढ़ चली-
लेकिन उसके डोरोली के पहुंचने तक डोरोली वहां पर नहीं थी-
अच्छा हुआ कि डोगा ने मेरी कॉल का जवाब नहीं दिया, वर्ना मुझे यहां पर नहीं आना पड़ता! खैर, बाकी ब्रह्मांड रक्षकों को तो मेरा संदेश मिल ही गया है! ध्रुव और स्टील सफल हो चुके हैं! नागराज कभी असफल हो ही नहीं सकता और इस टुकड़े को मैं यहां से जाने नहीं दूंगा!
तू फिर मरने आ गया परमाणु! एक साल पहले तो तेरा सामना मशीनों से हुआ था, इसीलिए तू बच गया था। पर अब हम खुलकर सामने आ गए हैं! तू यूं समझ ले कि तेरी मौत तेरे सामने आ गई है!

ओह! यानी वह तुम्हारा रचा हुआ षड्यंत्र था! तुम शक्ल से ही परग्रही लग रही हो! कहीं तुम मंगल ग्रह की ही प्राणी तो नहीं हो?
तूने ठीक ही समझा है ब्रह्मांड रक्षक! हम आज से नहीं सैकड़ों वर्षों से पृथ्वी पर रह रहे हैं! लेकिन आज तुम्हारे कारण हमारा रहस्य खुलने वाला है! ऐसा न हो इसलिए तुम्हारा मरना जरूरी है!
मुझे मौत से डर नहीं लगता!
पर मौत को मुझसे जरूर डर लगता होगा! इसलिए तुम जैसे लोगों की कोशिशों के बावजूद वह मेरे पास आकर पलट जाती है!
आज ऐसा नहीं होगा! हमारी वैज्ञानिक शक्तियां तुम्हारे बचकाने विज्ञान से हजारों गुना ज्यादा उन्नत हैं! हम वह कर सकते हैं जो तुम सपने में भी नहीं सोच सकते!
हम हर तत्त्व को मनचाहे तरीके से कंट्रोल कर सकते हैं! चाहे वह पृथ्वी हो, आकाश, अग्नि, जल या फिर... वायु!
आऽऽऽ ह! इसने वायु का ऐसा बवंडर पैदा कर दिया है जो मेरे शरीर को दो अलग- अलग दिशाओं में घुमा रहा है!
ऊपर वाला हिस्सा इधर घूम रहा है तो नीचे वाला हिस्सा उधर! जल्दी ही मेरी रीढ़ की हड्डी जवाब दे जाएगी!

तभी-
परमाणु! मैं ब्रह्मांड रक्षक हैडक्वार्टर से ध्रुव बोल रहा हूं! स्पिरिट का एक टुकड़ा मैं यहां पर ले आया हूं! और सुनो, मुझको परछाई जैसे दिखने वाले एक प्राणी ने रोकने की कोशिश की थी! इनको कहीं और से पॉवर सिग्नल भेजकर उनके द्वारा पॉवर दी जाती है! पर इन सिग्नलों को लेड धातु रोक लेती है! अगर तुम्हारा ऐसे प्राणियों से सामना हो तो तुम भी यही ट्रिक आजमाना! मैं ये मैसेज बाकी ब्रह्मांड रक्षकों को भी भेज रहा हूं!
थैंक्स, ध्रुव! अह! मैं ध्यान रखूंगा! ओवर!
ओऽऽऽह! अब तो हवा के घर्षण से मेरा सूट भी जलने लगा है! लेड मिलेगा मिले पर अब मैं दूसरों को ढेड जरूर मिलूंगा! क्योंकि इस बवंडर के बीच में मैं परमाणु कणों में बदलने का खतरा भी मोल नहीं ले सकता हूं! फिर मैं क्या करूं?
डोगा को अभी तक कोई संदेश नहीं मिल पाया था-
ओह! परमाणु भी यहां पर है! और वह किसी बवंडर में फंसा हुआ है! और ये औरत कुछ उठाकर भाग रही है! इसको रोकना होगा! जरूर इसी ने परमाणु को इस मुसीबत में फंसाया है और अब यही इस मुसीबत को दूर कर सकती है!
रुक जाओ! वर्ना भागने के लिए टांगें नहीं बचेंगी!
...पर कोई बात नहीं! तुमको धमाके और बहता खून देखना बहुत पसंद है न! लो! अब तुम धमाके और खून का बहना महसूस करो!
आऽऽऽह! मेरी गन और पाऊंचों में रखी मैगजीनें फट रही हैं!
आऽऽह!
ओह! तुम मेरी उम्मीद से जल्दी बाहर आ गए डोगा...
धड़ाम
हा हा हा! ब्रह्मांड रक्षक नाम रख लेने से कोई शक्तिशाली नहीं बन जाता!
अब तुम दोनों मरोगे एक साथ!

बड़ी मुश्किल से डोगा ने वह वार बचाया-
अह!
डोगा अगर किसी को अपने हथियार से नहीं मार पाता है मैडम...
... तो फिर वह उसको उसके अपने ही हथियार से खत्म कर देता है!
ओफ्! इसने मुझको मेरे ही बवंडर में फेंक दिया है!
अब अगर मुझको बचना है...
... तो मुझको यह बवंडर रोकना ही पड़ेगा!
आऽऽऽह! शुक्र है तरीका काम में आ गया! यही एकमात्र तरीका था परमाणु को बचाने का और इसको बेबस करने का!
थैंक्स डोगा!
अब मुझको इससे निपटने का तरीका समझ में आ गया है!
ध्रुव का मैसेज आया था! उसके अनुसार इसकी पॉवर का मुख्य स्रोत 'पॉवर सिग्नल्स' है जो इनको कहीं और से मिलते हैं! वैसे तो लेड धातु उन सिग्नलों को रोक सकती है! परन्तु यहां पर लेड धातु मिलेगी नहीं!
इसीलिए मैं अपने परमाणु सिग्नलों के द्वारा उन पॉवर सिग्नलों को इसके पास तक पहुंचने से रोकूंगा! उसके बाद ये हमारी शक्तियों के सामने टिक नहीं पाएगी!
आऽऽऽह! मैं सचमुच शक्तिहीन हो रही हूं! मेरे पास शक्तियां खत्म हो रही हैं!
अब तुम कुछ नहीं कर सकतीं! बताओ क्या चक्कर है ये? क्या चाहते हो तुम मंगलवासी?

वैसे तो हम तुमको विनाश से बचाना चाहते हैं! पर तुमको मेरी बात पर यकीन नहीं आएगा...
...इसीलिए समझाना बेकार है!
इसको ब्रह्मांड रक्षकों के हैडक्वार्टर ले चलते हैं! वहीं पर ये पूरी कहानी उगलेगी!
उसकी नौबत नहीं आएगी! तुमने 'पॉवर-सिग्नल' काटकर मेरी शक्ति जरूर खत्म कर दी है...
...लेकिन मैं जानती थी कि ऐसा समय आ सकता है। इसीलिए मैंने इसका इंतजाम करके रखा था। अगर मुझे पॉवर सिग्नल शक्ति नहीं देंगे तो एटॉमिक पॉवर देगी!
एटॉमिक पॉवर! यानी... यानी वह बम!
रिमोट के सिग्नल मिलते ही एटॉमिक रिएक्शन चालू हो गया! और उसमें से एटॉमिक रेडिएशन निकलकर चारों तरफ फैलने लगे-
पिंग
और उनका असर भी सामने नजर आने लगा-
आऽऽऽह! ये रेडिएशन हम पर असर कर रहे हैं! खाल में जलन हो रही है!
मेरी परमाणु तरंगें इस रेडिएशन को रोक नहीं सकतीं!
और अगर ज्यादा देर तक हम इस रेडिएशन में रहे तो हम ब्लड कैंसर जैसी बीमारी से मर भी सकते हैं डोगा!
इतना मत डरो! तुमको मरने में इतना समय नहीं लगेगा!
तुम लोगों को मारना हमारा मकसद नहीं है! लेकिन तुम्हारे जिन्दा रहने से हम पर खतरा मंडरा सकता है! इसलिए तुम दोनों को मरना ही होगा!

Amaan
आँsss ह!
हमें इस रेडिएशन को रोकना होगा परमाणु! वर्ना इसकी शक्तियां बढ़ती ही जाएंगी!
परमाणु शक्ति मेरी ताकत है डोगा और परमाणु शक्ति से परमाणु शक्ति को खत्म नहीं किया जा सकता!
पर ऐसा करना ही होगा, परमाणु! वर्ना जो वार जमीन में इतना गहरा गड्ढा कर सकता है वह भला हमारा क्या हाल करेगा!
हमारे पास ऐसे कोई हथियार नहीं हैं जो इसकी शक्तियों को रोक सकें, डोगा!
और जब तक इसकी शक्तियां नहीं थमेंगी तब तक हम यहां से कभी नहीं हिल पाएंगे!
न मरने से पहले और न ही मरने के बाद!
इसको रोकने लायक हथियार हमारे पास न सही परमाणु, लेकिन कहीं और तो हैं!
भौं, भौं भौं!
डोगा के दोस्त हर जगह मौजूद थे-
और वे डोगा का हर इशारा समझते थे-
ये क्या है डोगा?
वे हथियार जो इसने ही हवा से पैदा किए थे! अब इसी की जूती इसी के सिर पर मारने का समय आ गया है!
आँsss ह!
ये किरणें इसको रोक कर रखेंगी परमाणु!
तब तक तुम, परमाणु बम को ठिकाने लगाओ!

ओ. के. डोगा! मैं अभी गया और...
... अभी आया!
नू मुझे मेरा काम पूरा करने से रोकना चाहता है!
मैं बम तो ले आया डोगा। पर इसको ठिकाने लगाऊं कैसे? जहां भी इसको फेंकूंगा वहां पर रेडिएशन का प्रदूषण फैलेगा!
... तो मैं तेरी सांसों को ही रोक दूंगी!
इसने ये क्या किया?
इसने स्टॉमिक रिएक्शन को चरम सीमा पर पहुंचा दिया है! अब ये बम कुछ ही पलों में फट पड़ेगा! अब हम इसे नहीं ये हमको ठिकाने लगा देगा!
और मैं टेलीपोर्टेशन बीम द्वारा यहां से गायब हो चुकी होऊंगी! मलबा लेने में फिर आ जाऊंगी!
क्योंकि स्पिरिट के मलबे में मौजूद शक्ति केन्द्र की शक्ति इसको कोई नुकसान नहीं पहुंचने देगी!
अब हम क्या करें डोगा?
पुरानी कहावत है!
जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है वह खुद उसमें गिरता है!
और ये है वह गड्ढा! बम को इसमें डाल दो!

परमाणु बम, डोग़ेमी के वार से बने गड्ढे में सैकड़ों फुट नीचे गिरता चला गया-

और उसी पल डोगा के हाथ में थमी उस अद्भुत गन का रुख भी गड्ढे की तरफ मुड़ गया-
किरणों के धमाके ढलों मिट्टी से गड्ढे को भरते चले गए-
धड़ाम

ये गायब हो रही है! ओफ्फ!

और फिर जब बम फटा तो उसका धमाका, सतह से जरा सी धूल उड़ाने के अलावा कुछ भी नहीं कर पाया-
व्हियू! कोई नुकसान नहीं हुआ! लगता है बम में ज्यादा एटॉमिक मैटीरियल नहीं भरा था। और जो था, उसका प्रयोग इसने शक्तियां प्राप्त करने के लिए कर लिया था!
अब इस मंगलवासी को...
देखो परमाणु! टेलीपोर्टेशन किरण अपना रुख बदलकर इसकी तरफ बढ़ रही है!

कोई बात नहीं डोगा! वह स्पिरिट का टुकड़ा छोड़कर भागी है! चलो, इसे लेकर ब्रह्मांड रक्षकों के हेडक्वार्टर चलते हैं!

और उस गुप्त पॉवर लैब में-
तुमने मुझे यहां पर क्यों बुलाया? मैं स्पिरिट का वह टुकड़ा हासिल कर सकती थी!
यही बात फोरेब भी कह रहा था! शर्म की बात है! पिटने के बाद भी तुम लोगों को अक्ल नहीं आई!
गलती तो तुम्हारी भी है चीफ! सैकड़ों वर्षों से हम पृथ्वी पर अलग- अलग रूपों में रह रहे हैं! हमने मनुष्यों की प्रकृति को अपनी आंखों से देखा है!
लेकिन इतने अनुभव के बावजूद भी तुम ये अनुमान नहीं लगा पाए कि ये मानव कितने शक्तिशाली और बुद्धिमान हैं!
यह समय एक- दूसरे पर दोषारोपण करने का नहीं है! स्पिरिट के दो टुकड़ों को हम खो चुके हैं! अब हमारी उम्मीदें तीसरे टुकड़े पर टिकी हैं! अगर हमने उसको हासिल कर लिया तो फिर हम इन दोनों टुकड़ों को हासिल करने का प्रयास फिर से करेंगे!
अब देखना ये है कि डोमोरा स्पिरिट के तीसरे टुकड़े को नागराज से वापस ला पाता है या नहीं!
स्पिरिट का टुकड़ा महानगर में समुद्र के किनारे की दलदली जमीन में आ गिरा था-
और परमाणु से सूचना मिलते ही नागराज ने वहां पर पहुंचने में एक पल भी खराब नहीं किया था-
यहीं पर गिरा है स्पिरिट का एक टुकड़ा! लेकिन यहां पर गिरने के कारण वह दलदल में धंस गया है!
अब इतने बड़े इलाके में यह कैसे पता चलेगा कि वह टुकड़ा कहां पर धंसा हुआ है?
सबसे बड़ी समस्या तो यह है कि यह पता करने के लिए दलदल में जाया कैसे जाएगा?

Amaan
ऐ! रुक जाओ! आगे मत जाना! वर्ना डूब जाओगे!
अरे, नागराज! तुम हो! माफ करना, अंधेरे के कारण मैं तुमको पहचान नहीं पाया!
कोई बात नहीं! पर तुम कौन हो! और इतनी रात को यहां पर क्या कर रहे हो?
ड्यूटी बजा रहा हूं! इस दलदल पर नजर रखने की जिम्मेदारी मेरी है!
ताकि कोई पर्यटक या मछुआरा गलती से इधर आकर दलदल में धंस न जाए!
और अगर कोई दलदल में फंस जाए तो क्या करते हो?
बचाता हूं!
पर कैसे? दलदल में कैसे जाते हो?
सरकार ने ये 'होवर क्राफ्ट' दे रखी है न! इसी पर बैठकर जाता हूं!
यानी इस दलदल में कुछ धंस गया है! पर ये स्पिरिट है क्या बला?
होवर क्राफ्ट! अरे, समझा! ये वायु-दाब से अपने नीचे हवा का गद्दा बनाती है, और उस गद्दे पर चलती है! और जब यह कोई सतह छूती ही नहीं है तो डूबने का सवाल ही पैदा नहीं होता!
थैंक्यू दोस्त! तुमने मेरी एक बड़ी समस्या हल कर दी! अब मैं स्पिरिट की खोज करने दलदल में जा सकता हूं!
कुछ ही देर में नागराज उस गॉर्ड को सारी स्थिति समझा चुका था-
ओह! मजा आ गया! पन्द्रह सालों में पहली बार कोई रोमांचक काम करने को मिला है, और वह भी तुम्हारे साथ नागराज! पर वह टुकड़ा तुम ढूंढोगे कैसे? यहां पर तो न जाने क्या-क्या धंसा हुआ होगा!
यही तो बड़ी समस्या है!

पर इस समस्या का हल है मेरे पास!
है! अरे वाह! पर क्या?
मेरे सांप! सांपों के सिर में एक ऐसा केन्द्र होता है जो गर्मी को भांप सकता है! स्पिरिट अंतरिक्ष से यहां पर गिरा है! हवा के घर्षण से वह बहुत गर्म हो गया होगा!
और जाहिर है कि वह जहां पर भी गिरा होगा वहां की दलदली मिट्टी भी गर्म हो गई होगी! मेरा सांप उसी गर्म मिट्टी को ढूंढ़ेगा!
लो, मिल गया वह स्थान! यहां की दलदली जमीन काफी गर्म है! होवर क्राफ्ट को रोको!
वाह! कमाल है नागराज! तुम्हारे अलावा तो कोई भी इसको ढूंढ़ ही नहीं सकता था!
पर अब तुम टुकड़े को बाहर कैसे निकालोगे?
सर्प रस्सी की मदद से!
गहरी सांस ले लो, मेरे सर्पों! और बढ़ती हुई गर्मी का पीछा करते हुए स्पिरिट के टुकड़े तक पहुंच जाओ!
कुछ ही पलों बाद-
ये रहा वह टुकड़ा, जिसकी मुझे तलाश थी!
अब चलो! ये टुकड़ा लेकर मुझको ब्रह्मांड रक्षकों के हैडक्वार्टर पर पहुंचना है! और वह भी जल्दी से जल्दी!
जरूर जाना! लेकिन अगर मरकर जिन्दा हो सकते हो सिर्फ तब!
आऽऽऽह! ये क्या कर रहे हो? क्या चाहते हो तुम?

वही जो तुम चाहते हो! स्पिरिट का यह टुकड़ा!
इसको लेने के लिए मैं बहुत पहले यहां पर आ गया था! पर यह समझ में नहीं आ रहा था कि इस विशाल दलदल में उसको ढूंढूं तो कैसे ढूंढूं!
पर तुम आ गए और तुमने मेरी समस्या सुलझा दी!
अब तुम जब तक डूबोगे तब तक मैं इस टुकड़े को इसके सही ठिकाने पहुंचा दूंगा!
ओह! मैं धंसता जा रहा हूं! और यहां पर सर्परस्सी अटकाने तक की कोई जगह नहीं है!

या है...
ओह! ये क्या? डोमोरा लगभग कामयाब हो गया था! लेकिन नागराज ने बाजी पलट दी है!

जल्दी ही होवर क्राफ्ट पर था-
अब बताओ! कौन हो तुम? स्पिरिट का टुकड़ा हासिल करना क्यों चाहते हो?
पहले तुम मेरे एक सवाल का जवाब दो, नागराज!
मेरा रास्ता रोककर तुम मरना क्यों चाहते हो?
इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग करना होगा।
हा हा हा! गायब होकर तू सिर्फ अपनी जान बचा सकता है नागराज! पर मुझसे स्पिरिट का टुकड़ा हासिल नहीं कर सकता। हिम्मत है तो मुझसे यह टुकड़ा छीन कर दिखा!
ओह! एकाएक इसके शरीर से तेज धार वाले अंग फूटने लगे हैं!
और ये धारदार हथियार मुझे काटकर रख सकते हैं!
यह सही कह रहा है! मेरा मकसद स्पिरिट के टुकड़े को हासिल करना है!
मुझको सर्परस्सी में कैद करना चाहता है नागराज! पर देख! यह तो मेरे आर-पार निकल गई!
अब मैं तुझे दिखाऊंगा एक चमत्कार! तुझे मौत देने का एक नायाब तरीका!
अरे! इसका हाथ तो मेरी छाती में घुस गया है!

Amaan
तू चकित हो गया न नागराज! अब तेरा दिल मेरी मुट्ठी में है! मैं अपनी मुट्ठी को जरा सा कसूंगा और तेरा दिल खून भरे गुब्बारे की तरह फट जाएगा!
आऽऽऽ ह!
डोमोरा नागराज की चाल को सही तरह से समझ नहीं पाया था-
सर्प रस्सी का निशाना डोमोरा का शरीर नहीं-
बल्कि होवर क्राफ्ट का ब्रेक था-
सर्परस्सी ब्रेक को खींचती चली गई-
और होवर क्राफ्ट एक झटके से रुक गई-
पर गति के पहले नियम ने डोमोरा को हवा में उड़ा दिया! क्योंकि होवर क्राफ्ट की गति रुक गई थी, डोमोरा के शरीर की नहीं-
आऽऽऽ ह! बाल-बाल बचा! मुझे पता था कि होवर क्राफ्ट एक झटके से रुकने वाली है, इसीलिए मैंने रेलिंग को कसके पकड़ रखा था!
अब मेरी जगह पर तुम हो! पर घबराओ मत! मैं तुमको डूबने नहीं दूंगा!
मुझे अभी तुमसे कई बातों के जवाब मालूम करने हैं!
मैं डूबूंगा नहीं नागराज! मैं हवा में से ही स्पिरिट के टुकड़े को खींच लूंगा! और टेलीपोर्टेशन किरण मुझे मेरी मंजिल तक पहुंचा देगी!

Amaan
और तू मुझे रोक नहीं सकता, नागराज! क्योंकि तेरी अद्भुत नाग-शक्तियों के बावजूद तू उड़ नहीं सकता!
आखिरकार डोगोरा कामयाब हो ही गया। चलो, एक टुकड़ा तो हमारे हाथ लगा!
क्या सचमुच?
अरे, ये... ये क्या हो रहा है? स्पिरिट का यह टुकड़ा गर्म क्यों हो रहा है? इसका तापमान तो सैकड़ों डिग्री सेंटीग्रेट तक पहुंच गया है! इतनी गर्मी तो मैं भी नहीं संभाल सकता!
मैं ये टुकड़ा पकड़े नहीं रख सकता!
आऽऽऽऽ ऊऽऽऽ
ये हो क्यों रहा है?
इसको मैं अपनी ऊष्मा किरणों से गर्म कर रही हूं!
अब ये टुकड़ा फिर से ब्रह्मांड रक्षकों के पास है!
शक्ति! बिल्कुल सही वक्त पर आई तुम!
बस! बहुत हो गया ये चूहे-बिल्ली का खेल! अब मैं और समय खराब नहीं कर सकता!
मैं डोगोरा को वापस बुला रहा हूं!
ये तो गायब हो रहा है!
होने दो नागराज! फिलहाल हमको इस टुकड़े को नासा में प्रोवॉट तक पहुंचाना है!
ठीक है! बाकी दोनों टुकड़े भी हेडक्वार्टर पहुंच चुके हैं!
उनको भी इस टुकड़े के साथ भेजना होगा!

और उस गुप्त लैब में-
मुझे वापस क्यों बुलाया, चीफ! तुमको मुझे वापस बुलाने के बजाय मुझे और शक्तियां देनी चाहिए थीं!
ब्रह्मांड रक्षकों को पता चल चुका है कि हम पॉवर को किरणों के रूप में भेजते हैं! उन्होंने इन तरंगों को रोकने का रास्ता भी ढूंढ लिया है! तुम अकेले ही ब्रह्मांड रक्षकों से भिड़ते तो जरूर पकड़े जाते! और फिलहाल हम अपना एक सदस्य खो नहीं सकते!
वही जो हमने पिछले सैकड़ों वर्षों में नहीं किया!
हमको खुलकर इस दुनिया के सामने आना पड़ेगा! ब्रह्मांड रक्षकों से मिलकर उनको पूरी बात समझानी होगी! उनसे मदद लेनी होगी!
फिर तुम्हारे ख्याल से अब हमको क्या करना चाहिए?
इन मामूली पृथ्वी वासियों से मदद?
मत भूलो कि यहां पर का हमारा हर सदस्य 'मामूली' पृथ्वी वासियों से मात खा चुका है!
ब्रह्मांड रक्षकों के हैडक्वार्टर में-
किसी को चाय पीनी है?
गर्म दूध हो तो मैं एक गिलास पिऊंगा!
चाय मैं पिऊंगा! तुम चाय लोगे डोगा?
डोगा तो सिर्फ अपराधियों का खून पीता है! कानून तोड़कर!
तू तो वह भी नहीं पी सकता स्टील! क्योंकि तेरे सारे सर्किट ही खराब हो जाएंगे!
हम पिएंगे! अमन का जाम!
हम तुम्हारे साथ मित्रता करने आए हैं!
भूत के मुंह से राम-राम! ये इनकी कोई चाल है, नागराज!
हो सकता है, डोगा! पर इनकी बात सुनने में कोई बुराई नहीं है! कहो, क्या कहना चाहते हो?

हम मंगल ग्रह के प्राणी हैं! जिनको तुम अपनी भाषा में 'मार्शियन' कहते हो। हमारी उम्र पृथ्वी के वर्षों में सैकड़ों वर्षों की होती है! हम आज से लगभग 370 साल पहले पृथ्वी पर आए थे। और हमारा पृथ्वी पर आने का कारण था हमारी पूरी सभ्यता का नष्ट हो जाना!
मंगल ग्रह की पूरी आबादी के नष्ट हो जाने का कारण क्या था?
वही शक्ति पुंज जो 'स्पिरिट यान' के जरिए पृथ्वी पर आने की कोशिश कर रहा है। वह मंगल पर कहां से आया यह हम नहीं जानते! शायद वह मंगल पर ही विकसित हुआ था। पर उसने एक वायरस की तरह मंगल वासियों को खत्म करना शुरू कर दिया! वह जिस मंगल वासी के संपर्क में आता था वह उसी शक्ति पुंज का एक हिस्सा बन जाता था! जल्दी ही हम समझ गए कि जीवित कोशिकाएं ही शक्ति पुंज का भोजन थीं!
वह एक भयंकर महामारी की तरह पूरे मंगल ग्रह पर फैल गया! उसके संक्रमण से ग्रसित हर मंगलवासी उसके जैसा ही बनकर पहले दूसरे मंगलवासियों को अपना भोजन बनाता था और फिर खुद उस शक्ति पुंज में मिल जाता था! देखते ही देखते हमारे ग्रह की आबादी खत्म होने लगी! हमारा विज्ञान भी हमारी मदद नहीं कर पा रहा था। तब हम कुछ वैज्ञानिकों ने मिलकर मंगल ग्रह को कुछ समय के लिए छोड़ देने की योजना बनाई! उस वक्त मंगल ग्रह पर सिर्फ हम चार मंगलवासी ही बचे थे। हमने एक ऐसा बम बनाया जो हर जीवित कोशिका को नष्ट कर सकता था-

हमने एक गहरा गड्ढा खोदकर उसमें उस बम को फिट कर दिया, और सर्वशक्तिमान को अपना पीछा करवाते हुए वहां तक ले आए। योजना के अनुसार सर्वशक्तिमान उस गड्ढे में गिरा और उसी वक्त हमने रिमोट से बम को फोड़ दिया। बम के विकिरण ने सर्वशक्तिमान की सारी कोशिकाएं नष्ट करके उसको फिर से शक्तिपुंज में बदल दिया। अब उसके आसपास ऐसी कोई जीवित कोशिका नहीं बची थी जो उसे फिर से जीवन दे सकती—

लेकिन बम का रेडिएशन सतह को चीरकर हम तक भी पहुंच रहा था। इसीलिए हमने विकिरण के खत्म होने तक मंगल ग्रह को छोड़ देने का फैसला किया। वैसे भी, अब मंगल पूरा नष्ट हो चुका था। विकिरण को लुप्त होने में सैकड़ों वर्ष लगने थे। तब तक हमने पृथ्वी पर मानवों के रूप में रहने का फैसला किया। और इस कारण से हम पृथ्वी पर आ गए—

लेकिन पृथ्वी पर आने के बाद एक नई समस्या खड़ी हो गई। हममें अपना रूप बदलने की क्षमता नहीं थी। इसीलिए हम पृथ्वी पर इंसानों के बीच में नहीं रह सकते थे। कई वर्षों तक हम छुपकर रहे। अपने यान में पृथ्वी के एक कोने से दूसरे कोने में छिपते रहे। पर इस दौरान मानवों की आबादी भी बहुत तेज गति से बढ़ती गई, और हमारे लिए छुपने के स्थानों की कमी पड़ने लगी। अब मानवों से छुपना असंभव हो गया था। तब हमारी दोस्त डोरोली के आविष्कार ने हमको बचाया—

उसने एक ऐसी चिप बनाई, जिसको अगर किसी मानव के मस्तिष्क में सही स्थान पर लगा दिया जाए तो उसके दिमाग की तरंगें हमारे चेहरे से टकराकर परावर्तित हो सकती थीं और हर देखने वाले को हमारा चेहरा मानवीय ही लगता। हमने एक सुनसान स्थान पर रहने वाले मानव हरिहर को ढूंढा और उसके दिमाग में उस चिप को प्रतिरोपित कर दिया—

चिप ने काम तो कर दिया, पर एक नई समस्या खड़ी हो गई—

दूसरे सभी मानव तो हमको मानव के रूप में ही देख रहे थे। पर हरिहर हमको मार्शियन के रूप में ही देख रहा था। इसीलिए हमने उसको पागल घोषित कराने का फैसला किया। उसको राजनगर के पागलखाने में भिजवा दिया और हमारा एक सदस्य डॉक्टर गद्रे बनकर उस पर नजर रखने के लिए बैठ गया। क्योंकि हमको पता था कि अगर कभी शक्तिपुंज फिर सक्रिय हुआ तो वह हमको ही ढूंढेगा, और हरिहर के दिमाग से हमारे जुड़े होने के कारण उसका पहला असर हरिहर पर ही होगा।

तुम्हारे कारण! स्पिरिट पृथ्वी से गया था, इसीलिए उसमें सूक्ष्मजीवी मौजूद थे! और उस जीवन से शक्ति पाकर शक्तिपुंज फिर से सक्रिय हो गया और स्पिरिट में सवार होकर पृथ्वी की तरफ आने लगा! हम बाकी बचे मंगलवासियों को खत्म करने के लिए! वह तो अच्छा हुआ कि शक्तिपुंज को नष्ट करने के बाद हमने उस स्थान पर निशानी के लिए एक गोलाकार आकृति बना दी थी। वर्ना हमको यह पता नहीं चलता कि स्पिरिट ने उसी स्थान पर खुदाई की है!
अब तुम हमसे क्या चाहते हो?
शक्तिपुंज को दुबारा न पनपने देने के लिए तुम्हारा साथ!
स्पिरिट के टुकड़ों को जोड़ने के लिए नासा के हवाले मत करो!
वर्ना अगर एक बार स्पिरिट के टुकड़े जुड़ गए तो पृथ्वी जैसे घनी आबादी वाले वातावरण में तो वह महाशक्तिशाली बन जाएगा!
और फिर पहले वह हमको ढूंढ़कर हमारा विनाश करेगा, क्योंकि हम मार्शियन उसके लिए खतरा साबित हो सकते हैं! और फिर उसके बाद वह पृथ्वी को भी वैसे ही जीवन-रहित कर देगा जैसा कि उसने मंगलग्रह को किया था!
तुम्हारी कहानी सुनने में तो दिलचस्प है! और मेरा दिल चाहता है कि मैं इस पर भरोसा कर भी लूं!
"अगर ऐसा है तो पृथ्वी को एक ऐसे विनाशकारी तूफान के लिए तैयार रहना चाहिए जो पृथ्वी पर से जीवन नाम की चीज को मिटा देगा! और ऐसा होने में ज्यादा वक्त नहीं है-"
ये मैं क्या देख रहा हूं! स्पिरिट के ढांचे में से ये तंतु कैसे फूट रहे हैं! ये... ये क्या हो रहा है?
लेकिन यह भी तो हो सकता है कि तुम सभी मंगलग्रह पर अपराधी प्रवृत्ति वाले प्राणी रहे हों जिन्होंने वहां के जीवन का किसी तरह से नाश कर दिया! और सर्वशक्तिमान मार्शियन विज्ञान की वह प्रोग्राम्ड पॉवर हो जो तुम सबको किसी भी कीमत पर ढूंढ़कर खत्म कर देना चाहती है!
खैर, जो भी हो! अब तो तीर, कमान से निकल चुका है परमाणु, स्पिरिट के टुकड़ों को जोड़कर नासा के लिए रवाना हो चुका है!

और ये तंतु मुझको जकड़ना चाह रहे हैं! इससे पहले कि ये मुझको नुकसान पहुंचाएं इनको परमाणु ब्लास्ट से जलाना होगा!
उस परमाणु ब्लास्ट में एक मंजिली इमारत को भी धूल में बदलने की शक्ति थी-
लेकिन बदले में परमाणु को जो वार झेलना पड़ा वह पचास मंजिली इमारत को भी अणुओं में बिखेर डालने के लिए पर्याप्त था-
आऽऽऽह! यह तो प्रोफेसर द्वारा बनाई गई 'एस्बेस्टस स्टील' की पोशाक का ही कमाल है जो मैं इस वार को झेल सका! पर इसने ऐसी किरण तुरन्त कैसे बना ली जो मेरी परमाणु किरण से दस गुना ज्यादा शक्तिशाली हो!
आर्ऽऽऽऽर! तेरे शरीर में जीवन के लक्षण तो हैं लेकिन फिर भी मुझे तुझे छूने पर जीवित कोशिकाओं के बजाय मृत अणु ही क्यों मिल रहे हैं?
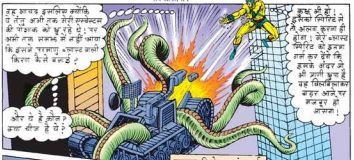
Amaan
वह शायद इसलिए क्योंकि ये तंतु अभी तक मेरी एस्बेस्टस की पोशाक को छू रहे थे! पर अभी तक समझ में नहीं आया कि इसने परमाणु ब्लास्ट वाली किरण कैसे बनाई?
और ये है कौन? क्या चीज है ये?
कुछ भी हो! इसको स्पिरिट से तो अलग करना ही होगा! मेरे ब्लास्ट स्पिरिट को इतना गर्म कर देंगे कि इसके अंदर जो भी प्राणी छुपा है वह बिलबिलाकर बाहर आने पर मजबूर हो जाएगा!
परमाणु की मेहनत रंग लाई-
तंतु गायब होने लगे-
अरे वाह! मेरी चाल तो कुछ कामयाब रही! वह प्राणी जो भी था, वह बाहर तो नहीं आया लेकिन मेरे वारों ने इसको अंदर सिमटने पर मजबूर कर दिया है!
लेकिन परमाणु जिस चीज को अपनी जीत की निशानी समझ रहा था-
वह उसकी हार की शुरुआत थी-
ओह! ये अपना रूप फिर से बदल रहा है और अब इसका नया रूप एकदम मेरे जैसा है! और अगर इसका रूप मेरे जैसा है...
तो इसकी शक्तियां भी मेरे जैसी ही होंगी।
आSSSS ह!
अब मैं इसको जल्दी से जल्दी लासा पहुंचाता हूं! ताकि वे इस रहस्यमय प्राणी और स्पिरिट की ठीक तरह से जांच कर सकें!

आऽऽऽह! इसकी शक्तियां मेरी शक्तियों का रूप जरूर हैं, लेकिन मेरी शक्तियों से कई गुना ज्यादा पॉवरफुल हैं! मैं इसकी शक्तियों से नहीं निपट सकता!...
इसके शरीर पर चढ़ी पर्त का विश्लेषण करके मैंने उनका प्रतिरूप तो बना लिया है, अब मुझको इसकी जीवित कोशिकाओं को खाकर अपनी ऊर्जा बढ़ानी है! अभी मुझको अपने दुश्मनों को ढूंढने और फिर उनको नष्ट करने के लिए काफी ऊर्जा चाहिए! और वह ऊर्जा मुझको ये प्राणी देंगे!... जिनको मनुष्य कहा जाता है!
प्रोबॉट के सर्किट नासा के विशाल कंप्यूटर से जुड़ गए-
परमाणु की यह तड़प-
आऽऽऽऽऽऽऽ
नासा में प्रोबॉट तक आ पहुंची-
ओह! परमाणु मुसीबत में है! मुझे उसका हाल देखना होगा!
प्रोबॉट की बांह पर लगी यंत्रों की कतार चमकने लगी-
और कंप्यूटर एक टेलीपोर्टेशन मशीन बनने लगा-
उसकी पोशाक के यंत्रों के माध्यम से-
ओह! परमाणु की जान खतरे में है! वह खुद ट्रांसमिट नहीं हो सकता! मुझे उसको बुलाना होगा!
लेकिन परमाणु को बचाने वाले और भी थे-
देखो, ब्रह्मांड रक्षको! तुमने मंगल पर जीवन नहीं, बल्कि पृथ्वीवासियों की मौत ढूंढ ली है!

अब इसको नष्ट करने में हमारी मदद करो! वर्ना हम मार्शियन्स के साथ-साथ तुम 'होमोसेपियंस' का निशान भी मिट जाएगा!

आऽऽऽऽऽ

पर कैसे? तुम लोगों ने तो इसको वह बम फोड़कर नष्ट किया था जो जीवन का नामोनिशान मिटा दे!

पृथ्वी पर हम इस तरीके को नहीं आजमा सकते!

RCJ
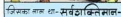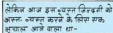
और फिर उस प्राणी का ध्यान फिर से अपने भोजन परमाणु की तरफ मुड़ गया-
अरे! ये... ये क्या? ये तो गायब हो रहा है! हाथ आया पोषण जा रहा है! ... खैर अब मुझको पृथ्वी वासियों से पेट भरना होगा! मुझे आकार चाहिए! शक्ति चाहिए! शक्तिमान बनना है मुझे! सर्वशक्तिमान!
महानगर की व्यस्त जिन्दगी का एक और दिन शुरू हो चुका था-
लेकिन आज इस व्यस्त जिन्दगी को अस्त-व्यस्त करने के लिए एक भूचाल आने वाला था-
और जिससे मानवों को बचा सकने वाले या तो हजारों टन भारी मलबे के नीचे दफन थे-
जिसका नाम था-सर्वशक्तिमान-

Amaan
या फिर वहां से दूर- अपने जीवन की अंतिम सांसें गिन रहे थे-
ये परमाणु यहां पर कैसे आ गया?
इसको मैंने बुलाया है!
पर इसको हुआ क्या है? ये तो स्पिरिट के मलबे के टुकड़े जोड़कर यहां लास्ट में लाने वाला था!
फिलहाल तो यह अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है! किसी ने इसके शरीर की जीवन ऊर्जा खींच ली है! पर मैं इसे मरने नहीं दूंगा!
नहीं मरने दूंगा! अगर परमाणु मर गया तो प्रोबॉट भी मर जाएगा!
पृथ्वी पर सर्वशक्तिमान का कहर तेजी से फैल रहा था-
सर्वशक्तिमान द्वारा संक्रमित किए गए मानव उसका संक्रमण आगे फैलाकर पहले तो दूसरे मानवों की जीवन ऊर्जा को सोख रहे थे-
और फिर खुद आकर सर्वशक्तिमान के शरीर में मिलकर उसकी ऊर्जा और आकार को बढ़ा रहे थे-
यह संक्रमण हर तरफ से फैल रहा था। हवा से, जमीन से और पानी से-
पृथ्वी पर जीवन होने का यह शायद आखिरी अध्याय लिखा जा रहा था-

लेकिन अभी उम्मीद की एक नहीं बल्कि कई किरणें बाकी थीं-

आऽऽऽ ह! थैंक्स नागराज! मलबे में दबकर हमारी उड़नतश्तरी के पुर्जे तो बेकार हो गए थे! अगर तुम अपने सर्पों के द्वारा सुरंग खोदकर हमको बाहर न निकालते तो शायद हम सभी मलबे के नीचे दबकर दम तोड़ देते!

खैर! बचाने वाला तो ऊपर बैठा है! बताओ कि अब क्या करना है?

नागराज! उधर देखो!

ये क्या? इतने गले हुए मानवों की भीड़ कहां से आ रही है?

सिर्फ मानव ही नहीं कुत्ते और कुछ पक्षियों की भी यही हालत है! पर कैसे?
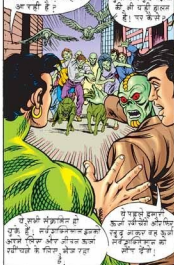
ये सभी संक्रमित हो चुके हैं! सर्वशक्तिमान इनको अपने लिए और जीवन ऊर्जा खींचने के लिए भेज रहा है।

ये पहले हमारी ऊर्जा खींचेंगे और फिर खुद आकर वह ऊर्जा सर्वशक्तिमान को सौंप देंगे!

इस संक्रमण को यहीं पर रोकना होगा!

ये तो संक्रमण का एक बहुत छोटा सा हिस्सा है शक्ति! इसको रोककर कुछ नहीं होगा। रोकना है तो सर्वशक्तिमान को रोकना होगा! सीधे टक्कर लेनी होगी उससे!

ठीक है! वैसे भी फिलहाल हमारे पास योजना बनाने का वक्त नहीं है!

मेरा विष किसी भी जीवित प्राणी को गलाकर नष्ट कर देता है! सर्वशक्तिमान मेरे जहर से बच नहीं पाएगा! चलो!

सर्वशक्तिमान ने अभी तक बेशुमार जीवन ऊर्जा एकत्रित कर ली थी। और अब उसका विशालकाय आकार गगनचुंबी इमारतों को भी बौना बना रहा था-
अब इसको रोकना हमारा काम है ब्रह्मांड रक्षकों। लेकिन हम इस पर एक साथ हमला नहीं करेंगे। पहले मैं और स्टील आगे जाएंगे! स्टील के अंदर जीवन-ऊर्जा बहुत कम है। सर्वशक्तिमान को इसकी जीवन ऊर्जा खींचने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ेगी!
और जब तक सर्वशक्तिमान स्टील से उलझा रहेगा तब तक मैं अपने विष के द्वारा इसके शरीर को गलाता रहूंगा। अगर हम असफल रहे तो फिर मार्शियंस इनसे निपटेंगे! और उनके भी असफल हो जाने की सूरत में ध्रुव, शक्ति और डोगा इसको नष्ट करने के प्रयास करेंगे!
ठीक है नागराज! लेकिन अगर हमको तुम्हारी जानें खतरे में लगीं तो फिर हम हाथ पर हाथ धरकर नहीं बैठेंगे।
भगवान तुम्हारी सहायता करे, नागराज।
आगे बढ़ो!

तुम्हारा क्या ख्याल है? क्या नागराज इसको खत्म कर पाएगा?
जरूर कर पाएगा डोमोरा! यह अभी पृथ्वी के प्राणियों की कोशिकाओं से बना है और नागराज का विष पृथ्वी की किसी भी कोशिका को खत्म कर सकता है!
नागराज इसको जरूर खत्म कर देगा और इसके साथ साथ सच्चाई भी हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी!
श श श! चुप!
स्टील ने पहला वार किया-
मेरी 'एक्सरे विजन' इसके शरीर के अंदर देख रही है! इसका शरीर उस स्पिरिट के इर्द-गिर्द बना हुआ है जो इसके शरीर में अब धंस चुका है!
जरूर स्पिरिट के अंदर ऐसी कोई चीज है जो इसके शरीर को विकसित कर रही है!
अब मैं इस टुकड़े से जुड़ी कोशिकाओं को काट दूं तो इसका शरीर भी खत्म हो जाएगा!
स्टील का वार सटीक था! स्पिरिट से जुड़ी सारी कोशिकाएं जलकर खत्म हो गईं-
और सर्वशक्तिमान का शरीर तेजी से सिकुड़ना शुरू हो गया-
वाह! स्टील ने अपना काम कर दिया!
अब मेरे सर्प अपना काम करेंगे, वे अपना विष इसके शरीर में उड़ेलते रहेंगे और इसकी कोशिकाएं गलती रहेंगी!
यह दुहरा हमला इसको जल्दी ही खत्म कर देगा!
मुझको उम्मीद नहीं थी कि इसको खत्म करना इतना आसान होगा!
नागराज को ऐसी उम्मीद करनी भी नहीं चाहिए थी-
क्योंकि उसका मुकाबला किसी रोजमर्रा के अपराधी से नहीं-
बल्कि सर्वशक्तिमान से था-

अरे! ये तो मेरे सांपों का इस्तेमाल तारों की तरह कर रहा है! अपने आपको स्पिरिट से जोड़ने के लिए!
और इसका शरीर फिर से बढ़ने लगा है!
अब मैं असीमा की शक्ति के प्रयोग से अपनी ही कोशिकाओं को द्विगुणित कर रहा हूं! और साथ ही साथ तेरे विष की जांच करके मैंने उसकी काट भी बना ली है नागराज!
परन्तु फिर भी तुम्हारी विषैली कोशिकाओं को अपने अंदर खींचना मेरे लिए खतरनाक होगा! इसीलिए मैं तुझे सिर्फ बेबस करके छोड़ दूंगा!
आSSS ह!
यह मेरे शरीर में विष की काट इंजेक्ट कर रहा है! मेरा विष तेजी से नष्ट हो रहा है!
और इसके साथ मेरी शक्ति भी खत्म हो रही है!
स्टील का भी यही हाल होने वाला था-
तुम्हारे अंदर जीवन ऊर्जा नहीं है, बल्कि विद्युत ऊर्जा तुमको जीवन दे रही है! इसलिए तुम्हारा जीवन ही तुम्हारी मौत बनेगा! हाई वोल्टेज विद्युत का एक ही झटका तुम्हारे सारे सर्किटों को नष्ट कर देगा स्टील!
इसने तो बड़ी आसानी से दोनों की कमजोरियों को ढूंढ निकाला!
सर्वशक्तिमान किसी के संपर्क में आते ही उसका पूरा विश्लेषण करके उनकी कमजोरी को ढूंढ निकालता है!
और फिर उस कमजोरी पर वार करके उसको खत्म कर देता है!

अब मुझे इतनी शक्ति प्राप्त हो चुकी है कि मैं तुम चारों का नाश कर सकूं! यह काम पूरा कर सकूं जिसके लिए मुझको जीवन दिया गया है! कई सदियों तक भागते रहे हो तुम मुझसे! पर अब तुम मेरे सामने हो!
और तुम हमारे सामने! अब तक हम इसलिए चुप थे क्योंकि हम पृथ्वी को दूसरा मंगल नहीं बनाना चाहते थे पर अब हमारी जानों का सवाल है! अब पृथ्वी पर जीवन रहे या न रहे... हम तुमको जीवित नहीं छोड़ेंगे!
ये क्या हो रहा है शक्ति? दो परग्रहियों की लड़ाई में पृथ्वी शहीद होने जा रही है!
और साथ ही साथ स्टील और नागराज की जानें भी खतरे में हैं!
शक्ति के रहते ऐसा कभी नहीं होगा!
इन परग्रहियों को नुकसान पहुंचाने से पहले ही...

शक्ति इन दोनों दुश्मनों को सूर्य की तरफ रवाना कर देगी...
...मैं स्टील और नागराज को आज़ाद करा लूंगी!
आऽऽऽऽह!
शक्ति ने सर्वशक्तिमान से इस हमले की उम्मीद नहीं की थी-
...और इनके अंतिम सफर पर रवाना होने से पहले...
शक्ति की शक्तियां भी खिंच गई हैं, डोगा! अब सिर्फ मैं और तुम हैं और हम दोनों में से किसी के भी पास सुपर पावर्स नहीं है!
और ये खतरा फिर से धरती पर आ गया है!
फिर भी कुछ तो करना ही पड़ेगा ध्रुव! आखिर करोड़ों इंसानों की जिन्दगियों का सवाल है!
और फिर तुम्हारा दिमाग तो खुद एक सुपर पॉवर है!
और अगर ज्यादा सुपर पॉवर की जरूरत पड़े...

तो बंदा हाजिर है!
परमाणु!
तुम कहां थे, यार? जब जरूरत पड़ती है तो गायब हो जाते हो!
वो तो भला हो प्रोबॉट का जिसने मुझे बचा लिया! वर्ना मैं तो हमेशा के लिए गायब होने वाला था!
अब तुम दोनों आराम से तमाशा देखो! मैं इसकी लड़ाई को खत्म करवाकर अभी वापस आता हूं!
नहीं, परमाणु! रुको!
इतना आत्म-विश्वास भी ठीक नहीं है! हमको सोच समझकर और योजना बनाकर इस मुसीबत से छुटकारा पाना होगा!
पर छुटकारा तो इसको खत्म करके ही मिलेगा!
बिल्कुल सही! और सर्वशक्तिमान को खत्म करने का एक ही तरीका है! स्पिरिट के टुकड़े को इसके शरीर से अलग कर दो! देखा था न! जब स्टील ने वार किया था तो ये खत्म होना शुरू हो गया था!
इस बार ये काम इतना आसान नहीं होगा! सर्वशक्तिमान सतर्क होगा! पर सवाल यह है कि स्पिरिट में ऐसी क्या चीज है जो सर्वशक्तिमान को विकसित होने की शक्ति देती है! अगर तुम उस चीज पर वार कर सके तो शायद सर्वशक्तिमान हमेशा के लिए नष्ट हो जाए!
कमाल है ध्रुव! अभी तुम कह रहे थे कि स्पिरिट तक पहुंचना ही मुश्किल है! और अब तुम उसके अंदर देखने की बात कह रहे हो! जब पास ही नहीं आ सकते तो भला स्पिरिट के अंदर हम कैसे घुसेंगे?
हम नहीं घुस सकते! पर तुम घुस सकते हो परमाणु!
तुम श्रिंक होकर सूक्ष्म रूप धारण कर सकते हो, और बगैर सर्वशक्तिमान की नजरों में आए स्पिरिट की पूरी छान-बीन कर सकते हो!
गुड आइडिया ध्रुव!
श्रिंक!
पर तब तक तुम लोग क्या करोगे?
वही जो पहले तुम करने जा रहे थे! इन दोनों की लड़ाई रोकने का प्रयास!

तुमने तो बड़े आराम से कह दिया ध्रुव! अब इस लड़ाई को रोकोगे कैसे? हम तो सर्वशक्तिमान और परग्रहियों के आसपास भी फटक नहीं सकते!
आसान सी बात है डोगा! आओ!
और पहुंच पाते भी तो भी इनको अलग कैसे करते?
और फिर-
वरूँऊँऽऽऽऽऽ
डोगा जंप!
मैं पहले ही कूद चुका हूं ध्रुव!
किसी विशाल बंदूक से निकली गोलियों की तरह दोनों गाड़ियां अपने-अपने निशानों से जा टकराईं-
धड़ाम
लेकिन सर्वशक्तिमान और परग्रहियों के संभल पाने से पहले ही-
दो 'गोलियां' और उन पर दग चुकी थीं-
ध्रुव और डोगा ने पृथ्वी को विनाश के कगार से कुछ पलों के लिए वापस खींच लिया था-

और परमाणु को उन कुछ पलों में ही अपना काम कर लेना था-
मैं सर्वशक्तिमान के अंदर तो आ गया हूं। पर मेरे इस छोटे रूप में स्पिरिट के हर हिस्से की तलाश करके उस रहस्यमय चीज को ढूंढ निकालना एक बड़े शहर में किसी एक घर को ढूंढ निकालने के बराबर है! और मेरे पास वक्त बहुत कम है!
पर वह काम तो मुझको करना ही है! चाहे जैसे भी हो!
परमाणु के पास वक्त वाकई बहुत कम था-
तुम दोनों हमारे काम में अड़ंगा डालकर हमारा कीमती समय व्यर्थ कर रहे हो!
इसकी सजा तो तुमको भुगतनी ही पड़ेगी!
... अब ये हमारा वार हम पर ही आजमाने आ रहा है!
वह ट्रक हमको कुचलने के लिए आगे बढ़ रहा है!
आऽऽऽह! इसने तो हमारे पैरों को 'किरण-बेड़ियों' के द्वारा सड़क से बांध दिया है!
सिर्फ इतना ही नहीं ध्रुव...
सर्वशक्तिमान का इलाज मैंने ढूंढ लिया है चीफ! ये देखो!
ये क्या है?
सिली एलिमिनेटर ब्लास्टर! इन बमों का रेडिएशन जीवित कोशिकाओं को नष्ट करता है!
ये बम इसके शरीर में धंस जाएंगे और अंदर ही अंदर इसको नष्ट कर देंगे!

और हमको इनके रेडिएशनों से कोई खतरा भी नहीं पहुंचेगा!

सर्वशक्तिमान इस बार को नहीं रोक पाया! कोशिकाएं तेजी से नष्ट होने लगीं-

और साथ ही साथ सर्वशक्तिमान का शरीर भी सिकुड़ने लगा-

ट्रक के टायर के नीचे आ गिरा-

बड़ाम

और ट्रक की आगे बढ़ने की दिशा मुड़ गई-

वाह, वाह! कमाल है! हमको माफ कर देना! गुस्से में हम तुम दोनों पर घातक वार कर बैठे। पर तुमने हमारे वार को बेकार कर दिया! हम अभी तुमको आजाद कर देते हैं!

लेकिन अब तुम चारों आजाद नहीं रहोगे!
ये क्या? सर्वशक्तिमान के शरीर में अब ब्लास्टर्स नहीं फट रहे हैं! पर क्यों?
क्योंकि उनको मैंने सर्वशक्तिमान के शरीर से चुन चुनकर निकाल दिया है! शक्ति की दिव्य कोशिकाओं को तुम्हारे बम नुकसान नहीं पहुंचा सकते!
पर क्यों, शक्ति? सर्वशक्तिमान हम सबका दुश्मन है! तुमने देखा नहीं कि इसने कितने मानवों को अपने अंदर खींच लिया है!
अगर इसको नष्ट न किया गया तो ये पृथ्वी से जीवन को ही नष्ट कर देगा!
वैसे ही जैसे कि इसने मंगलवासियों के साथ किया था!

यह काम इसका नहीं, तुम्हारा था! तुम चारों का था!
परमाणु! ये तुम क्या कह रहे हो?
मैं बिल्कुल ठीक कह रहा हूं ध्रुव! तुम सही कह रहे थे! स्पिरिट के अंदर ही वह चीज थी जो सर्वशक्तिमान को शक्ति दे रही थी!
इन्होंने सर्वशक्तिमान को मंगल ग्रह का नाशक और अपने आपको रक्षक दिखाया! जबकि असलियत एकदम इससे उल्टी है! सर्वशक्तिमान रक्षक है और ये भक्षक!
ये तुमने कैसे जाना परमाणु?
सर्वशक्तिमान ने मुझको बताया! दरअसल ये चारों मंगलवासी हैं ही नहीं! पृथ्वी के समय के अनुसार ये चारों आज से कई सौ साल पहले मंगलग्रह पर मुसीबत में फंसे अंतरिक्ष यात्रियों के रूप की आड़ लेकर उतरे थे! ये चारों एक मरते हुए ग्रह पचूराना के प्राणी हैं! इनका मकसद मंगल ग्रह पर कब्जा करके वहां पर अपनी आबादी को बसाना था, क्योंकि मंगल का वातावरण बिल्कुल पचूराना के वातावरण जैसा था!
पर मंगल ग्रह पर कुछ दिन रहने के बाद ये समझ गए कि वैज्ञानिक रूप से अत्यन्त विकसित मंगलवासियों से सीधी लड़ाई में जीत पाना असंभव है! इसीलिए इन्होंने एक चाल चली!
इन्होंने कुछ ऐसे बमों का निर्माण किया जिसका रेडिएशन सिर्फ मार्शियन जीवन पर असर करता था! इन्होंने मंगलग्रह पर विभिन्न जगहों पर लगाकर उन बमों को फोड़ दिया!
रेडिएशन धीरे-धीरे मंगलवासियों को मारने लगा, पर जल्दी ही उनको इसके कारण का पता चल गया! तब उन्होंने एक माइक्रोचिप के रूप में एक अत्यन्त असाधारण साफ्टवेयर बनाया! उसमें हर जीवित मंगलवासी के शरीर के डी. एन. ए. का कोड भरा हुआ था! उस डी. एन. ए. के साथ-साथ उसमें हर मंगलवासी की पूरी याददाश्त यानी मेमोरी भी भरी हुई थी!
समय आने पर सिर्फ एक जीवित मार्शियन कोशिका को द्विगुणित करके पूरे मंगल ग्रह की आबादी का निर्माण किया जा सकता था!
पर मंगलवासी अपने प्रति किए गए विश्वासघात को भी नहीं भूले थे! उन्होंने उस चिप में ऐसा प्रोग्राम भी डाला था जो उनके विनाशकों से बदला ले सके!

इस प्रोग्राम में यह खासियत थी कि वह अपने दुश्मन के शरीर की कोशिकाओं को खाने के साथ-साथ विनाशकारी किरणें भी छोड़ सके। मंगलवासी तो समाप्त होते गए पर उनकी कोशिकाओं की मदद से सर्वशक्तिमान शक्तिशाली और विशालकाय होता चला गया। अब इन चारों पचूराना वासियों का बचना मुश्किल था। इन्होंने धोखे से सर्वशक्तिमान को एक गड्ढे में गिराकर अपने बमों की मदद से उसकी कोशिकाएं खत्म कर दीं। अब सर्वशक्तिमान सिर्फ एक माइक्रोचिप बनकर रह गया था। इन चारों ने सर्वशक्तिमान का खतरा समझकर कुछ देर के लिए मंगल से दूर रहने का फैसला किया, और सर्वशक्तिमान की 'कब्र' पर एक निशानी बनाकर पृथ्वी पर आ पहुंचे। ताकि वे मंगल पर नजर भी रख सकें। और जब माइक्रोचिप के सक्रिय रहने की अवधि समाप्त हो जाए तो ये मंगल पर वापस लौट सकें।
प्लान सही था। माइक्रोचिप की पॉवर अब कुछ एक सालों में समाप्त होने ही वाली थी। पर तभी एक गड़बड़ हो गई।
हमने स्पिरिट को मंगल ग्रह पर भेज दिया। और उसमें मौजूद पृथ्वी के सूक्ष्मजीवियों ने फिर से सर्वशक्तिमान की पॉवर चिप को चार्ज कर दिया।
और सर्वशक्तिमान नाम की चिप, स्पिरिट से चिपककर पृथ्वी पर आ गई। क्योंकि उसको इन चारों के पृथ्वी पर होने का आभास हो गया था।
अभी तक हम पृथ्वी पर कयामत इस डर से नहीं कर रहे थे कि कहीं हमारी इस हरकत से सर्वशक्तिमान को हमारी स्थिति का पता न चल जाए।
पर अब पृथ्वी पर कयामत बरसेगी।
और सर्वशक्तिमान के साथ-साथ पृथ्वी भी एक बंजरग्रह बनकर रह जाएगी।
उसके बाद की कहानी हम जानते हैं। पर सर्वशक्तिमान ने तुमको ये सब बताया कैसे?
सिर्फ बताया ही नहीं। माइक्रोचिप से संपर्क होते ही उसने तो मुझे मेरे दिमाग में यह पूरा घटनाक्रम दिखा दिया। और उसकी सच्चाई समझकर मैंने भी उसको मदद का आश्वासन दिया। और तब उसने नागराज, स्टील और शक्ति को भी आजाद कर दिया।
अब जब सच्चाई सामने आ ही गई है तो फिर हम यहां पर भी वही करेंगे जो हमने मंगल पर किया था।

Amaan
आऽऽऽह! ये न्यूट्रॉन बम फोड़ रहे हैं! जिसका रेडिएशन सिर्फ जीवित प्राणियों को ही खत्म करता है! पर ये बम इनके पास आ कहां से रहे हैं?
शायद पॉवर सिग्नलों के जरिए! उसी की मदद से ये बमों को अपनी गुप्त लैब से यहां पर टेलीपोर्ट कर रहे हैं! इनके पॉवर सिग्नलों को रोकना होगा!
हम उसके पीछे से हमला कर सकते हैं!
वह गुप्त लैब हमारी उड़नतश्तरी में ही है, ध्रुव!
और अबकी बार हम पॉवर सोर्स को अपने साथ लेकर आए हैं! अपनी पिछली गलतियों से हमने सबक सीख लिया है! पर तुम लोगों को गलती सुधारने का मौका नहीं मिलेगा!
सर्वशक्तिमान भी कमजोर पड़ रहा है! अब इनको हमें ही रोकना होगा, ब्रह्माण्ड रक्षकों! मैं रेडिएशन से बचने के लिए 'सर्प-शील्ड' बनाता हूं!
मुझे शील्ड की जरूरत नहीं है!
और न ही मुझे! ये रेडिएशन मेरी दिव्य कोशिकाओं को नुकसान नहीं पहुंचा सकते! बस मुझको अपने अंदर मौजूद चंदा के सूक्ष्म रूप की रक्षा करनी होगी!
पर ये हमला ज्यादा देर तक नहीं चल पाया-
आऽऽऽह! इनकी शक्तियों से जीत पाना बहुत मुश्किल है!
फिलहाल तो ये रेडिएशन सिर्फ हमको ही नुकसान पहुंचा रहा है! पर जल्दी ही ये पूरी पृथ्वी पर फैल जाएगा! इसको रोकना होगा!
पर कैसे? हम इनके सामने कीड़ों से ज्यादा कुछ भी नहीं हैं!
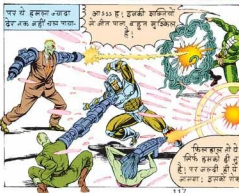
अब तो सर्वशक्तिमान भी नष्ट हो रहा है! जब ये अपने आपको नहीं बचा पा रहा है तो फिर हम क्या कर सकते हैं!
एक तरीका है!
पर कहां, ध्रुव?
पूछो मत! वक्त नहीं है! अगर जिन्दा रहा तो लौटकर बताऊंगा!
जल्दी बोलो ध्रुव! अब तो हमको सिर्फ तुम्हारे दिमाग का ही सहारा है!
और मुझको तुम्हारा! सुनो, तुम स्टील और शक्ति की मदद से इनका ध्यान बंटाओ! मैं डोगा और परमाणु को अपने साथ ले जा रहा हूं!
ये तुम हमको कहां पर ले आए हो, ध्रुव?
ये तो वही जगह है जहां पर मलबे के नीचे परग्रहवासियों की उड़नतश्तरी दफन है!
बिल्कुल सही! अब हमको ये मलबा हटाकर उसी यान तक पहुंचना है!
वही यान हमारी एकमात्र उम्मीद है!
और इस मलबे को जल्दी से जल्दी हटाने का काम डोगा और परमाणु जैसे लोगों के शक्तिशाली बाजू ही कर सकते हैं!
ओ. के. ध्रुव!
उम्मीद है कि तुमने जो सोचा है वह पृथ्वी को जरूर बचाएगा!
ध्रुव के दिमाग पर, नागराज, शक्ति और स्टील ने अपनी जान दांव पर लगा दी थी-
आऽऽऽह! इन्होंने मुझे किसी अजीब तरह के ऊर्जा खोल में कैद कर दिया है! अब मैं तुम्हारी मदद नहीं कर सकती, नागराज!

आऽऽऽह! ये ध्रुव क्या कर रहा है? क्या उसके कुछ कर पाने से पहले ही मैं खत्म हो जाऊंगा!
बड़ी जान है तुझमें नागराज! इतने रेडिएशन से तो हम हजारों पृथ्वी वासियों को खत्म कर देते!
इतने बम बरबाद करोगे तो हम पूरी पृथ्वी की आबादी को कैसे खत्म करेंगे चीफ?
अब हमको बमों को पृथ्वी के वातावरण में दागना चाहिए! बादलों की ऊंचाई पर! ताकि वहां से रेडिएशन पूरी पृथ्वी पर फैलकर इस ग्रह को जीवन रहित कर दे!
ठीक कहा तुमने डोरोली!
पर तभी-
ये... ये क्या हो रहा है? बम गायब कैसे हो रहे हैं?
... हम सभी गायब हो रहे हैं!
गायब नहीं, टेलीपोर्ट हो रहे हैं मूर्ख! किसी ने शिप में मौजूद हमारी टेलीपोर्टेशन मशीन को चालु कर दिया है!
अब विनाश पूरी पृथ्वी पर फैलेगा!
घातक बम हवा में कई किलोमीटर ऊपर उड़ गए! अब उनका एक ही ब्लास्ट, पृथ्वी से जीवन को ऐसे साफ कर सकता था जैसे पेंसिल से खिंची लाइन को रबर साफ कर देती है-
सिर्फ बम ही नहीं...
किसी ने क्या? ये काम जरूर ध्रुव का है! इस बार को सिर्फ वही सोच सकता है! ओफ्! ये क्या गलती कर बैठे हम?
अब ये 'टेलीपोर्टेशन' हमको न जाने कहां पर ले जाकर पटकेगी! मर गए हम तो!

कमाल कर दिया तुमने ध्रुव! इनके ही हथियार से इनको मात दे दी।
मैंने तो सिर्फ रास्ता दिखाया है डोगा! मलबे को हटाकर यहां तक पहुंचने की सारी मेहनत तो तुमने की है!
और मैंने जो परमाणु ब्लास्टों से मलबे को तोड़ डाला, उसका कुछ नहीं?
मेरी भी तो तारीफ करो! आखिर टेली पोर्टेशन मशीन को चलाने का तरीका तो मैंने ही बताया है!

और फिर-
सर्वशक्तिमान ने जिन-जिन मानवों को निगला था उन सभी की डी. एन. ए. प्रोग्रामिंग उसकी प्रोग्रामिंग में सुरक्षित थी! उसने मानव कोशिकाओं की मदद से उन सभी को फिर से सजीव रूप प्रदान कर दिया है! यानी इस पूरे हादसे में किसी भी पृथ्वीवासी की जान नहीं गई है!
अब हमारे सामने सबसे पहला काम सर्वशक्तिमान चिप को मंगल ग्रह पर वापस पहुंचाना है! ताकि सर्वशक्तिमान फिर से मंगल ग्रह पर आबादी को बसा सके!
मंगल पर तो हम सर्वशक्तिमान को पहुंचा देंगे!
पर उसको मंगल ग्रह पर फिर से जीवन बसाने के लिए मंगलवासियों की जीवित कोशिकाएं मिलेंगी कैसे? सभी मंगलवासी तो मर चुके हैं!
सर्वशक्तिमान के अनुसार कुछ मंगलवासी अंतरिक्ष अभियानों पर भी निकले हुए हैं! वे मंगल ग्रह पर वापस आ सकते हैं और उनकी मदद से सर्वशक्तिमान मंगलग्रह को फिर से आबाद कर सकता है!
पर खतरा अभी पूरी तरह से दूर नहीं हुआ था-
ओफ! टेली पोर्टेशन किरण ने हमको न जाने ब्रह्माण्ड के किस कोने में पटक दिया है!
हम फिलहाल कुछ नहीं कर सकते! पर 'पॉवर सोर्स' अभी भी हमारे पास है! इसकी मदद से हम जीवित रहेंगे!
और एक न एक दिन अपना बदला लेकर रहेंगे! और हमारा बदला होगा...
...मंगल की तरह पृथ्वी से जीवन का समूल विनाश!

समाप्त